



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी १९, १९८५ (पौष २९, १९०६)
No. ३] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 19, 1985 (PAUSA 29, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

भाग I—खण्ड १—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असाधिकारिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड २—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड ३—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकल्पों और असाधिकारिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड ४—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

भाग II—खण्ड १—अधिनियम, क्रष्णादेश और विनियम

भाग II—खण्ड १-क—अधिनियमों, क्रष्णादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राप्तिकृत पाठ

भाग II—खण्ड २—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रबंध समितियों के विल तथा रिपोर्टें

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित शेरों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य साधिकारिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपलब्धिकारी आदि भी शामिल हैं)

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित शेरों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए साधिकारिक आदेश और अधिसूचनाएं

पृष्ठ	पृष्ठ
55	भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित शेरों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य साधिकारिक नियमों और साधिकारिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राप्तिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड ३ या खण्ड ४ में प्रकाशित होते हैं)
57	भाग II—खण्ड ४—रक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए साधिकारिक नियम और आदेश
	1533
	69.
	51.
	9.

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

CONTENTS

PAGE	PAGE		
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	55	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)	1533
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	53	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	9
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	69
PART I—SECTION 4—Notification regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	57	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	51
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, by-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

विधि, और न्याय मंत्रालय

विधि कार्य विभाग

नई दिल्ली, विनाक 30 नवम्बर 1984

सं. ए० 11019(2)/83—प्रशासन III (वि० का०):—केन्द्रीय सरकार, अधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 256 की उपशाखा (3) के प्रनुभवण में अधिकर प्रभील प्रधिकरण के निम्नलिखित सदस्यों में से प्रत्येक को उक्त धारा के प्रयोगन के लिए प्राधिकृत करती है, प्रथाः—

- | | |
|----------------------------|---------------|
| 1. श्री एस० एस० अहलूवालिया | न्यायिक सदस्य |
| 2. श्री एस० एस० महेश | न्यायिक सदस्य |
| 3. श्री एम्पट सिंह | लेखा सदस्य |
| 4. श्री एफ० सी० रस्तोगी | न्यायिक सदस्य |
| 5. श्री एस० पी० कपूर | न्यायिक सदस्य |

पी. के. कर्णा,
संयुक्त सचिव और विधि सलाहकार

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर, 1984

संकल्प

सं. ई० 11011/10/81-रा० भा०:—वित्त मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के गठन के सम्बन्ध में इस विभाग द्वारा जारी किये गये 27 दिसम्बर, 1982 के संकल्प सं. ई० 11011/10/81 गा० भा० में, जसा कि वह दिनांक 11-8-83, 7-10-83 और 30-6-84 के संकल्पों द्वारा संशोधित किया गया है और जो भारत के राजपत्र दिनांक 23-10-82 के भाग-1, खण्ड-1 में पृष्ठ सं. 713 पर प्रकाशित किया गया था, निम्नलिखित संशोधन किया जाते हैं प्रथाः—

1. समिति का नाम पर्याप्ति 'वित्त मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति' बदल कर "राजस्व और व्यय विभागों की हिन्दी सलाहकार समिति" हो जायेगा।
2. वर्तमान प्रविधि संख्या "3 उप वित्त मंत्री-उपायक" हटा दी जायेगी।
3. क्रम संख्या 4 से 17 तक की वर्तमान प्रविधियां क्रमसंख्या 3 से 16 तक पुनः संशोधित की जायेगी।
4. क्रम संख्या 17 पर "वित्त सचिव सदस्य" की प्रविधि जोड़ दी जायेगी।
5. वर्तमान प्रविधियां संख्या "18 गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक-सदस्य", संख्या 20 सचिव, व्यापिक कार्य विभाग सदस्य", संख्या 25 अध्यक्ष, जीवन बीमा नियम सदस्य", संख्या "26 अध्यक्ष, साधारण बीमा नियम सदस्य", और संख्या "28 अपर सचिव" व्यापिक कार्य विभाग विभिन्न पक्ष सदस्य हटा दी जायेगी।

6. क्रम सं. 19, 21, 22, 23, 24, 27, 29 और 30 पर की वर्तमान क्रम संख्या 18 से 25 तक पुनः संशोधित की जायेगी आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति राष्ट्रपति सचिवालय, प्रशासन मंत्री कार्यालय, मंत्रीमंडल सचिवालय, समवैयक कार्य विभाग, सोन कम्बल सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, भारत का नियंत्रक महा लेखा परीकार, केन्द्रीय राजस्व लेखा परीकार नियंत्रक, समिति के सभी सदस्यों और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों में भेज दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की ओम आनंदारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

क० क० विवेदी, संयुक्त सचिव।

वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, विनाक 6 दिसम्बर, 1984

शुद्धि पत्र

भारत के राजपत्र के भाग 1 खण्ड 1 सं. 8 दिनांक 25-2-1984 में प्रकाशित हम मंत्रालय की प्रधिसूचना सं. 14(15)/82-ई० पी० जैड, दिनांक 30-1-1984 में "क्रम सं. 11—विकास आयुक्त, फालटा नियंत्रि प्रोमोशन जोन—सदस्य" के स्थान पर निम्नान्वित प्रस्थानित किया जाये:

"11 विकास आयुक्त,
कोचीन नियंत्रि प्रोसेसिंग जोन—सदस्य सचिव"
प्रार० स०० दूबे, उप सचिव

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर, 1984

संकल्प

सं. 2-4/83 एफ० आर० आई/एफ० आई० पी० (सी०):—पक्किंग मामलों के लिये विकास सिमिति के गठन के सम्बन्ध में इस मंत्रालय के दिनांक 29-1-1977 के संकल्प संख्या 7-9/76-एफ० आर० आई०/एफ० आई० पी० सी० के क्रम से यह निर्णय किया गया है कि उक्त समिति के सुगम तथा कारगर कार्य संचालन के लिये उक्त समिति के सदस्यों के रूप में निम्नलिखित प्रतिनिधियों को इसमें शामिल किया जाए—

- (1) मुख्य बन संरक्षक, जम्मू तथा काशीर
- (2) मुख्य बन संरक्षक, उत्तर प्रदेश।
- (3) बागवानी निदेशक, जम्मू तथा काशीर सरकार
- (4) बागवानी निदेशक, उत्तर प्रदेश सरकार तथा
- (5) प्रबन्ध निदेशक, बागवानी उत्तराखण्ड विभाग, हिंदू

2. यह भी निर्णय लिया गया है कि दिनांक 29-1-1977 के उपर्युक्त संकल्प के पैराग्राफ 1 में उल्लिखित उक्त समिति के गठन के सम्बन्ध में क्रम संख्या 9 की प्रविधि को हटाया जाये।

३. इम मिमिति के कार्य के मम्बन्ध में यात्रा के कारण यात्रा भसा, वैनिक प्रता, आदि पर होने वाला व्यय सदस्यों द्वारा उसी स्थीति से बहन किया जायगा, जिसमें यह अपना बेनन तथा परिलक्षिता ले रहे हैं।

४. भारदेश दिया जाता है कि उस सकल्प की एक प्रति मध्य संबंधित को भेजी जाये और सामान्य जानकारी के लिये इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

एम० एस० ए० रोपी
वन महानिरीक्षक तथा प्रवेश

श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय
(श्रम विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर, 1984

स० क्ष० १६०११/२/८४-उल्लू० ई०--श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय की प्रधिसूचना संख्या क्ष० १६०१२/४/८३-उल्लू० ई०, दिनांक 17 जनवरी 1984 में सूचना एवं प्रमाण भवाली के संयुक्त मचिव श्री ज० के० भट्टाचार्या का नाम और अधिसूचना संख्या क्ष० १६०१२/४/८३-उल्लू० ई०-दिनांक 3 फरवरी, 1984 में सार्वजनिक उद्यम सत्र में शिक्षा केन्द्र, नई दिल्ली के निवेशक, श्री श्राव० एन० श्रीवामतव और राष्ट्रीय सहकारी प्रबन्ध संस्थान, पुणे के निवेशक, श्री वी० के० सिन्हा के नाम इन प्रधिसूचनाओं के जारी होने की तारीख से केन्द्रीय अधिक शिक्षा बोर्ड के सहयोगित सदस्यों के रूप में आम जनता की सूचना के लिये प्रधिसूचित किये गये थे।

केन्द्रीय अधिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम ४४(ii) के अनुसार सहयोगित क्या गया ऐसा कोई भद्रस्य, नियम ३ के मुताबिक साधारणतया सहयोगित करने के सकल्प की नारीख में एक व्यय तक पद पर रहेगा और वह बोर्ड में दोबारा सहयोगित किये जाने का हकदार होगा।

अनु: अब, केन्द्रीय अधिक शिक्षा बोर्ड के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव, श्री के० एन० बैद्यनाथ, मार्गेजिनिक उद्यम मतत शिक्षा केन्द्र के निवेशक, श्री श्राव० एन० श्रीवामतव और राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली के महा निवेशक एवं वायकारी उपाध्यक्ष, श्री वी० के० मिन्हा को बोर्ड में सहयोगित किया है। अतः आम जनता की सूचना के लिये यह प्रधिसूचित किया जाता है कि ये अप्रिय इस प्रधिसूचना के जारी होने की तारीख से क्रमशः मंत्रालय और अपने संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने हुए बोर्ड में कार्य करेंगे।

शिक्षा चौपड़ा निवेशक

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 19 जनवरी, 1985

स०. 84/ई०. (जी.आर.) १०.--यांत्रिक इंजीनियरों को भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रेणी अप्रेंटिसों के रूप में नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1985 में की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

२. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस में किया जाएगा। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के संबंध में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियत संख्या में किया जाएगा।

३. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिणाम से निर्भारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्भारित किए जाएंगे।

४. उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) एसो तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1982 से पहले भारत आ गया हो, या
- (ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य, भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार पूर्वी अफ्रीकी देशों से या जाबिया, मलावी, जैरे, इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया प्रतिता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवारों को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में प्रतिता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसके नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उस मम्बन्ध में प्रतिता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही भेजा जा सकता है।

५. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक हो कि उसकी जायू १ जनवरी 1985 को १६ वर्ष हो चुकी हो लेकिन २० वर्ष न हो है और अर्थात् उसका जन्म २ जनवरी, 1965 से पहले और १ जनवरी, 1969 के बाद का न हो।

(ख) उपर बताई गई अधिकानम आयू सीमा में निम्नलिखित मामलों में छील छी जा सकती हैः—

- (१) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक ५ वर्ष।
- (२) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और १ जनवरी 1964 और २५ मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवृत्ति किया हो तो साँ अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (३) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और १ जनवरी, 1964 और २५ मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवृत्ति किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (४) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन १ नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवृत्ति किया हो तो अधिक से अधिक ३ वर्ष।

- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बावजूद उसने भारत में प्रवृत्तन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।
- (6) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्तन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।
- (7) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्तन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (8) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (9) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (10) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात काल का प्रमाण-पत्र हो, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया हो, तो उनके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (11) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और वियतनाम में वस्त्रतः प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (12) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीवार) से प्रवृत्तन किया हो या जान्बिया, मालावी, जैरे और हिंदूयोगिया से प्रत्यावर्तित हों तो अधिक से अधिक नीन वर्ष तक।
- (13) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और भारत मूलक वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीवार) से प्रवासित हो या जान्बिया, मालावी,

जैरे और हिंदूयोगिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हों तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

- (14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने पहली जनवरी 1985 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की हो और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बरखास्त या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपग्रेड या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त होए हो (इनमें वे भी सम्मिलित हों जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 1985 से छ. महीने के अन्दर पूरा होना हो) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।
- (15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1985 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की हो और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बरखास्त या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपग्रेड या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त होए हो (इनमें वे भी सम्मिलित हों जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1985 से छ. महीने के अन्दर पूरा होना हो) तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हों उनके मामले में अधिक से अधिक दश वर्ष तक।
- (16) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व परिषद पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रवृत्तन कर चुका था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (17) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और भूतपूर्व परिषद पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रवृत्तन कर चुका था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में निर्धारित आयु-सीमा में छूट नहीं दी जा सकती है।
6. उम्मीदवार ने—
- (क) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय या बोर्ड की इंटरमीडिएट अथवा समक्ष परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो;
- (ख) स्कॉली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अंतर्गत हायर सेकेन्डरी (12 वर्ष) परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो;

(ग) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा या ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की ग्रामीण संवादों में दीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा पास की हो या मद्रास विश्वविद्यालय (सार्वजनिक कालेज) के स्नातक कला विज्ञान के चार-वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष में प्रोनॉटि के लिए तीसरा वर्ष की परीक्षा पास की हो। जिसके पाँचत के माथ भाँतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम तीन वर्ष रहा हो, लेकिन शर्त यह है कि डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों के तीन-वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में गणित के साथ और भाँतिकी और रसायन विज्ञान में ये एक विषय के साथ पास की हों वे आवेदन पत्र भज सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा किसी विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

- (घ) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय की पूर्व इजीनियरी परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या
- (ङ) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या मान्यता प्राप्त बोर्ड की पूर्व व्यावसायिक/पूर्व तकनीकी परीक्षा और उच्चतर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय स्तर के एक वर्ष के बाद ली गई हो प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भाँतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो, या
- (च) किसी विश्वविद्यालय के पाच-वर्षीय इजीनियरी डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो, लेकिन शर्त यह है कि डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उमन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवार, न पा. २-डब्ल्यू. ५००, निम्नलिखित विषयों पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हों वे भी आवेदन-पत्र भेज सकते हैं लेकिन न पा. २-डब्ल्यू. ५०० के प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

- (छ) केरल और कालीकट के विश्वविद्यालयों से गणित के साथ भाँतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर पूर्व-स्नातक परीक्षा, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

टिप्पणी (1)—जिन उम्मीदवारों की विश्वविद्यालयों/बोर्ड द्वारा इटर्मीडिएट या उपर्युक्त किसी अन्य परीक्षा पा. २-डब्ल्यू. ५०० विषय श्रेणी न दी गई हों उन्हें भी शक्तिशाली हिप्ट में पात्र समझा जाएगा लेकिन शर्त यह है कि उनके प्राप्तांकों का कूल गणित संबंधित विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अंकों की सीमा में हो।

टिप्पणी (2)—वा. २-एमा उम्मीदवार जा. नं. ३०० परीक्षा पा. बैठने का हो जिसे पात्र अनुमति से वह इस परीक्षा पा. बैठने का पात्र बनता हो लेकिन जिसके परीक्षाफल

की सूचना इसे नहीं मिली है इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है। यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है तो वह भी आवेदन पत्र वे सकता है। ऐसे उम्मीदवार को यदि वह अन्यथा पात्र हो, तो परीक्षा में प्रवेश मिल जाएगा, लेकिन उसके प्रवेश को अंतिम समझा जाएगा और यदि वह उस परीक्षा को पास करने का प्रमाण यथामय शीघ्र और किसी भी हालत में १६ अगस्त, १९८५ तक पेश नहीं करता तो उसके प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा।

टिप्पणी (3)—आपादादिक भागलौं में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार का शक्तिशाली हिप्ट से अर्हक मान सकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अर्हताओं में से कोई भी अहंता न हो लेकिन ऐसी अहंताएँ होती हैं, जिसके स्तर के बारे में आयोग के यह मत हो कि उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जाना चाहिए है।

टिप्पणी (4)—जिन उम्मीदवारों के एम ग्राम तकनीकी-शिक्षा-नार्ट द्वारा दिए गए इजीनियरी डिप्लोमा हैं वे स्पष्ट लेख के अनुसार अप्रैलिम परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं हैं।

7. उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह आयोग के नार्टिस के पैरा ५ में विनार्टिंग्ट फौस दे।

8. जो व्यक्ति पहले न ही भरकारी नार्करी में आकॉस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थाई हैं सीधे स्तर से या काग्य प्रभारित कर्मचारियों की स्थाई सीधे स्तर से काम कर रहे हैं अथवा या इन्हें उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के अधीन संबंधित हैं, उन्हें यह परिवर्तन (अजर-टैक्स) अस्तुत कराया होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने काग्याचर/निभाग के जन्मस्थान को नूचित कर दिया है कि उन्होंने इस बरीभार के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को उन रबना बांहे कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उच्चतर परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रांकत होए कोई पत्र लिखा है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा ए प्रोसेस के लिए कोई उम्मीदवार पात्र है या नहीं, इस संबंध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. जब तक किसी उम्मीदवार के पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं होगा तब तक उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

11. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित क्यावार का बौद्धीकृत होता है या हो चुका है :—

- (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (4) आपी लेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना, या
- (5) अधूर्ध या अस्थाई वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छोपा कर रखना; या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियामित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या

- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हो; या
- (8) उत्तर प्रस्तुतका (आ) पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों; या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का द्वर्घवहार किया हो; या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियंत्रित कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो; या
- (11) परीक्षा ही अनमति देते हए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो; अथवा
- (12) उपर्युक्त वाक्यांशों में निर्धारित सभी या कोई भी कृत्य करने का प्रयास करने या उसे अवर्प्रेरित करने, जैसा भी भासला हो, का दोषी हो या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया हो तो उसके विरुद्ध आण्डाधिक अभियोग चलाए जाने के अतिरिक्त निम्न लिखित कार्यवाही भी की जा सकती है:—
- (क) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा के लिए जिसका वह उम्मीदवार है, अनहूँक घोषित किया जा सकता है; या
- (ख) उसे स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निम्नलिखित से विवर्जित किया जा सकता है:—
- (1) आयोग द्वारा स्व-आयोजित परीक्षा या चयन से;
 - (2) कोन्फ्रेंड सरकार द्वारा अपने अधीन किसी नौकरी से; और
- (ग) यदि वह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके विरुद्ध अनुशासन की कार्यवाही की जा सकती है।
- किन्तु यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्त्र तब तक नहीं दौ जाएगी जब तक
- (1) उम्मीदवार को इस मानवन्ध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और
 - (2) उम्मीदवार द्वारा अनमति समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अहूँक प्राप्त कर लेते हैं, जिनमें आयोग स्वीकृतक से निर्धारित करे, उन्हें आयोग व्यक्तित्व परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु यदि आयोग की राय में अनुचित जाति या अनुचित जन जाति के उम्मीदवारों को उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के उद्देश्य से सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में साक्षात्कार के लिए बुलाना संभव न हो तो आयोग द्वारा उन्हें निर्धारित स्तर में छठ दी जा सकती है।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर उम्मीदवार को अतिरिक्त स्थप से दिए गए कल अंकों के अनुसार योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों की एक सच्ची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों को जिन्हें आयोग परीक्षा में अहूँक समझे, उतनी अनारक्षित रिक्तियों पर नियंत्रित के लिए सिफारिश की जाएगी जितनी गिरिन्याओं को परीक्षा परिणाम के आधार पर भरने का निर्णय किया गया हो।

परन्तु अनुचित जानियों या अनुचित जन जातियों के लिए आरक्षित जितनी रिक्तिया सामान्य स्तर के आधार पर भरने से यह जाए, उन्हें भरने के लिए आयोग, सामान्य स्तर को शिथिल करके, अनुचित जाति या अनुचित जन जाति में उम्मीदवारों की विपरित वर मतला है भले ही परीक्षा में योग्यताक्रम के अनुसार उनका स्थान कही भी हो बशर्ते वे सेवा में नियंत्रित के योग्य हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार का परीक्षाफल किस रूप में और किस ढंग से भेजा जाए, इस बाह का निर्णय आयोग स्वीकृतक से करेगा और परिणाम के संबंध में आयोग उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. परीक्षा में मफल होने से तब तक नियंत्रित का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक सरकार आवश्यक जांच पड़ताल के बाह तक तात्पर न हो जाए कि उम्मीदवार उसके चरित्र और पर्वतत्व को ध्यान में रखते हए सरकारी सेवा में नियंत्रित के लिए सर्वथा उपयुक्त हो।

16. उम्मीदवार को मानविक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिये जो सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को काशतल पर्वक निभाने में बाधक हो। गैर्ड विहित डाक्टरी परीक्षा जो सरकार या नियंत्रित प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह जात हआ कि इन बातों को परा नहीं कर सकता है तो उसकी नियंत्रित नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनकी डाक्टरी जांच साक्षात्कार की तारीख के तरंत बाद आने वाली कार्य दिवस को कीं जायेगी (दूसरे शर्मिद्वार को छोड़कर रीविवार और छट्टियों वाले दिन डाक्टरी जांच नहीं होगी)। इस प्रयोजन के लिए सभी मफल उम्मीदवारों को प्रातः 9.00 बजे, अतिरिक्त मध्य चिकित्सा अधिकारी, कोन्फ्रेंड अस्पताल, उत्तरी रेलवे, वसन्त लेन, नदी दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार चम्मा लगाते हैं तो उन्हें हौसल है कौं चश्मों की निवार के साथ मौत्तिक बोर्ड को मानव उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरी जांच की तारीख या स्थान में परिवर्तन का अनुरोध सामान्यता स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उम्मीदवारों के यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टरी जांच से छट्ट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जायेगा।

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि :

- (1) उनको (सालह रुपये) रु 16/- की नकद राशि मौड़िकल बोर्ड को भगतान करनी होगी;
- (2) डाक्टरी जांच के सम्बन्ध में कीं गई शात्राओं के लिए उम्मीदवारों को कोई शात्रा भत्ता नहीं दिया जायेगा; और
- (3) उम्मीदवार की डाक्टरी जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं दियेगा कि नियंत्रित के लिए उसके मामले पर दिचार किया ही जायेगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उनका रेलवे मंत्रालय द्वारा डाक्टरी जांच में संबंधित बलग से कोई सचना नहीं भेजी जाएगी।

निपटनी — उम्मीदवारों को किसी प्रकार की निराशा न हो, इसके लिए उन्हें सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन

स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से से परीक्षा करा ले। नियमित से पहले उम्मीदवारों की किसी प्रकार की डाक्टरी परीक्षा होनी और इसमें उनमें दृढ़तर तररु नी अपेक्षा की जाएगी, इसका ब्यौरा इन नियमों की परिशिष्ट I में दिया गया है। अपाहिज भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों के संबंध में प्रत्येक सेवा की आवश्यकताओं की ध्यान में रखते हुए इन मानकों से छूट दी जाएगी।

17. कोई भी व्यक्ति,

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो, जिसकी एक पति/जिसका एक पति जीवित हो अथवा।

(ल) जिसने एक पति/पति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो।

सेवा में नियूक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि कोन्सीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली स्वीय विधि के अंतर्गत इस प्रकार का विवाह अनुमेय है और ऐसा करने के अन्य कारण है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से ज्ञान किए गए विशेष धर्मी अप्रैंटिसों के लिए अप्रैंटिसी की दर्ता परिशिष्ट-II में ही गई है। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा से संबंधित संक्षिप्त विवरण भी परिशिष्ट IV में दिया गया है।

एं. जौहरी, सचिव, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट—I

(वैसिए नियम 3)

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग 1—नीचे दर्शाए गए विषयों में अधिकतम 700 अंकों की लिखित परीक्षा।

भाग 2—व्यक्तिगत परीक्षण जिसमें अधिकतम अंक 200 होंगे (वैसिए नियम 12)।

2. भाग 1 के अन्तर्गत लिखित परीक्षा के विषय प्रत्येक विषय प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

क्रम सं.	विषय	कोड सं०	निर्धारित समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	.	01	2 घंटे	100
2. सामान्य विज्ञान	.	02	2 घंटे	100
3. भौतिकी	.	03	2 घंटे	100
4. रसायन विज्ञान	.	04	2 घंटे	100
5. गणित I,	.	05	2 घंटे	100 (बीज गणित, प्रारंभिक विस्तारकलन, विकल्पगणित और विश्लेष- णात्मक ज्यामिति)
6. गणित II	.	06	2 घंटे	100 (कलन अन्तर तथा रसायन की विभिन्नीय विधियों, स्थैतिकी तथा गतिकी)
7. मसोदैशानिक परीक्षण	.	07	1 घंटा पूर्ण	100 700

3. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल "वस्तुपरक" प्रश्न होंगे, नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए आयोग के नोटिस (अनुबन्ध-11) के साथ लगी उम्मीदवार "सूचना पूर्सितका" देंगे।

4. प्रश्न-पत्र में ज्ञान आवश्यक हो केवल माप व तोल की मीट्रिक प्रणाली से सम्बद्ध प्रश्न दिये जाएंगे।

5. प्रश्न-पत्र लगभग हांटरमीडिएट स्तर के होंगे।

6. उम्मीदवार उसरों को बपने ही हाथ से लिखें। उन्हें किसी भी हालत में उसर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की सहायता नहीं दी जाएगी।

7. परीक्षा का पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

8. आयोग परीक्षा के किसी एक विषय या सभी विषयों के लिए अंक निर्धारित कर सकता है।

9. उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पूर्सितका) का उसर देने के लिए कैलकूलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे इन्हें परीक्षा भजन में न लाएं।

अनुसूची

अंग्रेजी (कोड सं. 01)—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवार की समझ और भाषा पर अधिकार का पता लग सके।

सामान्य ज्ञान (कोड सं. 02)

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य उम्मीदवार को अपने घारों और के बातावरण और सामाजिक व्यवस्थाओं की सामान्य जानकारी का परीक्षण करना है। प्रश्न के उत्तरों का स्तर उस स्तर का होगा जैसा कि 12वीं कक्षा या समकक्ष स्तर के विद्यार्थियों का होता है।

व्यक्ति और उसका परिवेश

जीवन का विकास पौधे और पशु, वंशावल और परिवेश आज-धर्मिकी प्रकारों को मोरोंसे जैसा।

मानव शरीर की जानकारी—पोषाहार, संत्रित भोजन, प्रतिस्थायी लाल महामारियाँ और सामान्य रोगों की रोकथाम सहित लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता। बातावरणीय प्रदृशण और उसकी रोकथाम, लाल, अपमिश्चण, लालदारान्नों और उनसे निर्भीत उत्पादों को सही प्रकार से स्टोर करना तथा परीक्षण। जनसंख्या विस्तोर, जनसंख्या नियन्त्रण, लाल और कल्पे साधान का उत्पादन। पशुओं तथा पोधों का संप्रजनन, फृत्रिय गर्भाधान, लाल और उर्वरक, फसल रक्षण उपाय, अधिकतम किस्मों और हरित कांसि, भारत के मूल्य अनाज और नकदी फसल।

सार परिवार और पृथ्वी। ऋतुएं, जलवाय, मौसम भूमि—इसकी रक्षा और अपरदन। बन तथा उनके उपयोग। प्राकृतिक संकट (चक्रवात, तूफान, बाढ़, भूकम्प, ज्वालामूर्छी उड़गार)। पर्वत और नदियों और भारत में सिंचाइ के लिए उनका योगदान। भारत में प्राकृतिक साधनों और उदाहरणों का विवरण तेल महित भूगत लिंगों की जांच। भारत के बनस्पति जात और प्राणिजात के विवेष संदर्भ के साथ प्राकृतिक साधन। भारत का इतिहास, राजनीति और सभाज

वैदिक, महायीर, बुद्ध, मर्याद, शंक, बान्धु कुशान, गृष्म काल (मार्य कालीन स्तम्भ, स्तुप कन्द्राराएं, सोनी भयुरा और गंधर्व विद्यालय मैत्रि वास्तुकला, वृत्ति और एलोरा)।

इस्लाम के आले के द्वारा नई शक्तियों की उत्पत्ति और व्यापक संबंधों की स्थापना। सामंतवाद से पूँजीवाद में स्थानान्तरण। यूरोपीय गंबंधों की शुरुआत। भारत भी क्रिटिस शासन की स्थापना। राष्ट्रीयवाद और स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम।

भारत का संविभान और इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएँ—लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समाजना के अवसर और सरकार की संगदीय प्रणाली प्रणाली राजनीतिक विचारधाराएँ—लोकतंत्र, समाजवाद भास्यवाद और अहिंसा के गांधीवाद विचार। भारतीय राजनीतिक दल, प्रभावशाली गट, लोकमत और प्रेस, ब्राह्मण प्रणाली।

भारत की निदेशी नीति और गट निरपेक्षता—शस्त्र निर्माण होने, शक्ति मन्त्रन। विश्व संगठन—राजनीतिक, समाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पिछले दो वर्षों के बारेत भारत और विदेश में घटित प्रमुख घटनाएँ (सेनकूद और सांस्कृतिक कार्यकारण सहित)।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ—जाति व्यवस्था में हाल में हाए परिवर्तनों और डिल्टकोण अल्पसंख्यक सामाजिक संस्थाएँ—विवाह, परिवार, धर्म और मन्त्रित मंत्रित।

अम विभाजन, सहकारिता, टकराव और प्रतियोगिता, सामाजिक नियंत्रण, पुरस्कार और सजा, कला, कानून, रीति-स्थिति, गलत प्रचार, लोकमत, सामाजिक नियंत्रण की गत्तें-निया—परिवार धर्म राज्य शक्तिक संस्थाएँ, सामाजिक परिवर्तन के कारण आर्थिक, प्रौद्योगिकीय, जनसाम्बन्धिकीय सांस्कृतिक क्रांति की संकल्पना।

भारत में सामाजिक विश्वासन

लातिवाद, साम्पदाधिकसा, जनजीवन में भूषाचार, यज्ञक व्यापार, भैय मांगना, औपथ अपराधता और अपराध, गरीबी और बेरोजगारी।

सामाजिक योजना और भारतीय सामाजिक विकास का कल्याण और अमर्कल्याण; अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों का कल्याण।

धन कराधाम, मुख्य, जनसाम्बन्धिकीय, डिल्टकोण, राष्ट्रीय आद, आर्थिक विकास, निर्जी और लोक क्षेत्र, योजना भी आर्थिक और आर्थिक क्षेत्र, संस्कृत वनाम असंतुलित विकास, लघि वनाम औद्योगिक विकास स्फीति और भाधन जटाने के मंदंध में मुख्य म्याकरण समस्याएँ, भारत की पर्यावरणीय योजनाएँ।

भौतिकी (कोड सं. 03)

रानीर, स्कूजेज, सफीरोमीटर सौर आष्ट्रोविल लैवर का प्रदोग करने द्वारा लम्बाइ की माप।

एमद और इस्मान का माप।

ग्रह रोतक गति के विवरण, दोग और लारण के शील संस्कृत।

न्यूटन के गति के नियम। भैयेग, लावेग, कार्य, उज्ज्वा और शक्तिक।

घर्षण गृणांक

बल क्रिया के अंतर्गत पिंडों का संतुलन। बल का आघूर्ण व युगपत न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत। पलायन वेग। गुरुत्व के कारण त्वरण।

द्रव्यमान तथा भार। गुरुत्वकेन्द्र। एकसमान घटकी गति अभिकेन्द्र बल। सुरल आवर्त गति। सुरल लोक।

द्रव्य में व्यावर और इसकी प्रियमिन गहराई। पास्कल का नियम। आर्कीमिडीज का सिद्धांत। तैरने वाले पिण्ड। परिवेशी व्यावर और इसकी माप।

तापमान और इसकी माप। तापीय प्रसार। गैस नियम और परम तीप। विशिष्ट उष्मा। गृह्य उष्मा और उनकी माप। गैर्मों की विशिष्ट उष्मा। उष्मा का गांत्रिक ममकक्ष आंतरिक उष्मा और उष्मागतिकी का पहला नियम। ममतापी और रुद्धधैर्य परिवर्तन।

उष्मा संचरण : तापीय चालकता।

तंत्र गति अनदैर्ध और अनुप्रस्थ तंत्र। प्रगामी और अप्रगामी तंत्र। गैस में ध्वनि का वेग और विविध कारणों पर निर्भरता। अनुनाद परिवर्तना (वाय, स्तम्भ और रज्ज)।

प्रकाश का परिवर्तन और आवर्तन। वक्र दर्पणों और लैमों द्वारा विस्त्र रचना। सूक्ष्मदशी और दूरदशी (दृष्टि दोष)।

प्रियंज :—विचयन और प्रकीर्णन। न्यूनतम विचलन। हृष्ट रैक्ट्रम।

छाइ घूम्यक का क्षेत्र। सम्बक्षीय आधार। भूचूम्यकीय भैयेव के तत्व चम्बकत्वमापी। छाय, पैरा और फैरी घूम्यकत्व।

विद्युत चार्ज, विद्युत ध्रोत्र और विभव : कोलम्ब नियम।

विद्युत धारा :—विद्युत सैल, है. एम. एस. प्रतिरोध एमीटीडी और बोल्टमीटर। बोहम की नियम और श्रैणी और समान्तर भैयेव प्रतिरोध, विशिष्ट प्रतिरोध और बालकता भाग का तापन प्रभाव।

क्लैंस्टीन धूज, विभवमापी।

धारा का घूम्यकीय प्रभाव। सीधे सार कड़ली और मौलिनायड़ :—विद्युत धूंटी।

धारा के ईसायीनिक प्रभाव : घूम्यकीय और स्टोरेज मैल में उनकी कियाविधि विद्युत अपर्याप्ति।

विद्युत घूम्यकीय धैर्यांग, भैय ए. सी. लथोडी. सी. जनित्र। दांसकार्मर, अपघटन, कंडूल। डायोड और परिशोधक के रूप में इसके उपयोग।

एक्स किरणों का उत्पादन, गृह और उपयोग।

सैडियोधर्मिता :—एल्फा, बीटा और गामा किरणों।

निभिकीय उज्ज्वा, विश्वृद्धि और सलयन। द्रव्यमान का उज्ज्वा में अविवर्तन शृंखला अभिक्रिया।

रसायन विज्ञान (कोड सं. 04)

भौतिक रसायन विज्ञान

1 परमाणु संरक्षन। संक्षेप में पर्यावरण। विज्ञान मानव के रूप में परमाणु। कक्षाय विरसकल्पना। अवास्था, संख्या और उमस्की विशेषता; कैवल आर्थिक। अभिक्रिया। पालीं का अवर्धन गिरावंत। इलेक्ट्रोविक विज्ञान। अपने सिव्हात एस. पी. डी. और एफ. ल्लाक सत्त्व।

आवर्ती वर्गीकरण—केवल दीर्घ रूप। आवर्त और इलै-फ्टटाइनिक विभास परमाणु अनुपात। आवर्तक और ग्रूपों में विद्युत नकारात्मकता।

2. रासायनिक आवन्धन, इलेक्ट्रोलेट, कोबलेट, कॉर्डिनेट, की ब्लेट बंधन। जा. तथा एक्स। बंधनों के बंधन गृण, जल, हार्डोजेन, सलफाइड, मिथेन और अमोनियम क्लोरोइड जैसे सरल अणुओं के आकार। मांगेक्यूनर संबंध और हाइड्रोजेन आवन्धन।

3. रासायनिक अभिक्रिया; उर्जा परिवर्तन उष्मा उन्मोची और उष्माशोधी। अभिक्रिया। उष्मागतिकी के प्रथम नियम का प्रयोग। स्थिर उष्मा संकलन की हैस का नियम।

4. रासायनिक मंकलन और अभिक्रिया की दर्रे। द्रव्य मान व क्रिया का नियम। द्रव्याव के प्रभाव। तापमान और अभिक्रिया धर पर केंद्रीयकरण (ला चेटलियर के मिहार्डांत पर आधारित गुणात्मक अभिक्रिया) आण्विकता प्रथम तथा विक्षेत्रीय क्रम अभिक्रियाएँ। संक्रियमण का उर्जा परिकल्पन। अमोनिया और मानकर ट्राइआक्साइड के निर्णय के लिए प्रयोग।

5. विलयन। धार्साविक विलयन कोलोइल विलयन और स्थगन। तन विलयनों के अणुसंस्थ गणधर्म और विलान पदार्थों दो अणु भार निश्चित करना। व्वानी बिन्द्वाओं का उनयन। हिमांक उवमादन। आम्फेटामीन द्रव्याव। गल्ट का नियम (केवल अनुभागतिकी अभिक्रिया)।

6. विद्युत रसायन विज्ञान:—विद्युत अपेक्षन। विद्युत अपेक्षन वा कैगडे नियम। आयनी संयन्त्र। धूलनशीलता उपादान। प्रवल तथा क्षीण अपेक्षन। अम्ल तथा बैस (नोवल तथा बैन-स्टाइड की परिकल्पना) पी. एच. तथा उभय प्रतिरोधी विलयन।

7. आकृतिकरण अपचरन:—आधुनिकी हाइकैरोनिकी परिकल्पना और आकृतिकरण अंक।

8. प्राकृतिक और कृत्रिम विष्टनामिकता:—नाभिकीय विस्तृत और संलग्न। विश्व नाभिक समस्थानिकों के उपयोग। अकार्बिग रासान विज्ञान।

तत्वों का संधिष्ठ अभिक्रिया और उनके आद्योगिकीय महत्वपूर्ण मिश्रण।

1. हाइड्रोजेन: अवह तातिका में रिधति हाइड्रोजेन का संस्थानिक—मणात्मक तथा धनात्मक विश्वाति। जल, क्लोरो तथा मृद जल; उद्योगों में जल का उपयोग। भारी पानी और इसके उपयोग।

2. ग्रूप I तत्व। सोडियम हाइड्रोक्साइड का विनियम। सोडियम कालोनेट। सोडियम बाइकालोनेट और सोडियम क्लोरोइड।

3. ग्रूप II तत्व। याश तथा बुझा हुआ चूना। ज़िप्सम। प्लास्टर आफ पैरिस। मैग्नीशियम सल्फेट और मैग्नीशिया।

4. ग्रूप III तत्व। वीरक्स, एल्मिया और एलम।

5. ग्रूप IV तत्व। कोयला, लकड़ी तथा ठोस इंधन। सिरिन्वेट, जोलिटिस तथा अद्वृत्स चालक। शीशा (प्रारम्भिक अभिक्रिया)।

6. ग्रूप V तत्व। अमोनिया और नाइट्रिक अम्ल का विनियम। शैल फास्टेट और निरापद दियासलार्ह।

7. ग्रूप VI तत्व। हाइड्रोजेन और आक्साइड, गंधक सल्फूरिक अ.ल की उपरूपता। गंधक के आक्साइड।

8. ग्रूप तत्व IV। ब्लारिन क्योरीन का विनियम तथा उपयोग। बैमीन और आयोडीन। हाइड्रोक्लोरिक अम्ल। ब्लीचिंग पाउडर।

9. ग्रूप (उल्कूष्टगैस) हीलियम और इसके उपयोग।

10. धात्कमीर्थ संसाधन—तांबा, लोहा, एल्यूमीनियम, आंदो, सोना, जस्ता तथा मीमे के विशिष्ट संरक्ष के साथ धात्कों को निकालने की सामान्य पद्धतियां। इन धात्कों की सर्वनिष्ठ मिथधाता; निकिल मैग्नीज, इस्पात।

कार्बनिक रसायन विज्ञान

1. कार्बन का टेट्रोहेल्डल स्वरूप। संस्करण और जी. एम. बंधन तथा उनकी सापेक्षिक शक्ति। कल तथा बहु-बंधन। अणु का आकार। ज्योग्नीय तथा प्रकाशीय समावयवता।

2. एल्कोन, एल्कोन और एल्कोल के तैयार करने के गणधर्म और अभिक्रियाओं की सामान्य पद्धतियां। पेट्रोलियम और इसका परिष्करण इंधन के स्पृष्ट में इसके उपयोग।

एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन:—

अनन्दाव और एरोमैटिकला: बैन्जीन तथा नैथालीन और उसके माइव एरोमैटिक प्रतिस्थापन अभिक्रियाएँ।

3. होलाजीन व्यूपतितयां; क्लरोफार्म, कार्बन, टेट्राक्लो-राइड, क्लोरोबनजीन—डी.डी.टी. और गमवसीन।

4. हाइड्रोक्ली मिश्रण—प्राथमिक जाँर विवौद्य और तीव्र एल्कोहल मिथ्नाल, एथनोल, ग्लासरोल और फिनाल के तैयार करने, गणधर्म उपयोग। प्रतिफटिक कार्बन अणु पर प्रतिस्थापन अभिक्रियाएँ।

5. इंधर:—डाइथाइल इंधर।

6. एल्डीहाइड और केटान्स: फार्मलाइहाइड, एसी-टोलडीहाइड। डैजेनडीहाइड, एसीटोन, एसीटोफीन।

7. नाइट्रो योगिक एमीन, नाइट्रोबेन्जीन: टी. एन. टी.। एनी लान डाइजोनियम योगिक। एजोडाइज।

8. कार्बोक्सीलिक अम्ल: फोमीन, एसीटिक बैन्जोइक और सैनिसिलिक अम्ल, एमीटाइल सैनिसिलिक अम्ल।

9. एस्टर: इथाइलरोसीटेट, मिथाइल सैलीसिलेट, इथाइल बनपार।

10. पालीमर्स: पोलीथीन, टेजलान, पर्सीथेस, कृत्रिम रबड़, नायलान और पॉलियूरेट तंत्र।

11. कार्बोहाइड्रोटेस, बसा और लिपीडेस, एग्नेनी अम्ल और प्रोटीन विटामिन और हार्मोन्स की जमांरचनात्मक अभिक्रिया।

गणित-1 (कोड सं. 05)

शीजनशित

अंक प्रणाली—वास्तविक अंक। पर्णांक। परिमेय और अपरिमेय तथा उनके प्रारम्भिक गणधर्म।

प्रारम्भिक अंक शिवधान्त—विभाजा, इलेगोस्थिम विधि। अभाय और संयोक्त संख्याएँ गृणित तथा गणनशण्ड। गणन-शण्ड प्रमेय। महस्तम समापवर्तक और लघूत्तम समापवर्त्य। गक्लाडीन एल्मोमिथम।

लघूगणक और उनका प्रयोग

आधारी संक्रिया: सरल गणनशण्ड। वह पदों का महत्व, समापवर्तक, लघूत्तम समापवर्त्य। दिवधाती समीकरणों का हल, इसके हल और गणांक में संबंध।

भाजक प्रमोमित्यम्।

मूर्चकों के नियम, ए. पी. और जी. टी. ज्यामितीय श्रेणियों और इसका आवृत्ति वृश्चलन भिन्न में प्रयोग।

ऋग्वद्य और सतोनन्। घनात्मक पूर्णांक सूचक के लिए ऋग्वद्य परिमय। सन्निकटन के लिए परिमय सूचकों के लिए द्विवद्य प्रभेय का प्रयोग।

युगपत यौगिक समीकरण (तीन अज्ञात संस्थकों तक) और उनके हैं। एक्स 1, एक्स 2 और एक्स 3 पर बाईं के दिये हुए मूल्यों के लिये द्विधानी अक्ष बाईं-ए. बी एक्स गी एक्स 2 का संयोजन।

युगपत रैखिक असमिका (दो अज्ञात संस्थाओं मा) और उनका ग्राफ। 2X2 मैट्रोपिज और प्रारम्भिक संकेत। तत्त्वमष्ट आध्यूह। 3 से अधिक कम का आव्यूह निश्चयन जा विपर्यय। प्रारम्भिक विस्तार कलन।

समकल आकृति आ क्षेत्रफल। घनों पिगमिहो, लंबवसीय वैलनों के आवृत्तन और भरातल—शक्ति और गालक।

(उपर्युक्त आयायो म सम्बद्ध व्यावहारिक प्रश्न पृष्ठ जायग और आश्रयकतान् भार यथाचित् स्थिति दिये जायेंगे।)

त्रिक्लाण्डिमिति

कोण और उनकी क्लार्टियो और न्हृष्टियन से माप। त्रिक्लाण्डिमिति अनपात। योग के सूत्र। कोणों के अपवर्त्यों और अपवर्त्यों के साइन को लाइन और टेनजेट। साइन की लाइन और टेनजेट का अवर्त्तता और ग्राफ। सरल उच्चाई और दूरी के लिए प्रश्न।

त्रिग्रोमित्यमिति नमीकरण का हारा।

उच्चाई और दूरी के सरल प्रश्न।

त्रिलोषक ज्यामितीय

समतल में रखा की समीकरण। प्रथग काटि की सामान्य समीकरण। का रखा-आ के बीच काण। समान्तर और लंबीय रेखाएं।

दो सीधी रखाओं की कार्टिशियन समीकरण।

वृत्त का समीकरण। सामान्य समीकरण। वृत्त के स्पर्शी और सामान्य समीकरण। दो वृत्तों के मलाक्ष। वृत्तकल।

परवलय दीर्घवित और अपितपरवलय का मानक समीकरण। वक्र पर किंगी बिन्दु पर स्पर्शी और सामान्य समीकरण।

(जहाँ आयोग उचित समझेंगे उम्मीदवारों को 4 स्थान तक लेपरिधिमिक तालिकाओं के प्रयोग की अनुमति दी जा सकती है।)

गणित II (कोड सं. 06)

कलन (अवकल और पूर्णांक)

उदाहरणों द्वारा वार्ताविक कलन और उनके ग्राफ। संयुक्त और व्युत्क्रम फलन वान्तिक कलनों का वीजगणित। परिमय और त्रिक्लाण्डिमिति कलनों के उदाहरण और फलफलन।

सीधा धारणा और फलन और यागस्तर का सातन्य कलनों का उत्तरात्ति और भागफल।

किसी विन्द्य पर फलन का व्युत्पन्न। परिवर्तन की संत्थाणिग दर के रूप में व्युत्पन्न और वक्र का ढाल।

फलनों के याग, अंतर गणनफल और भागफल की व्युत्पत्तियां। संयुक्त फलनों और 11 फलनों के व्युत्क्रम की व्युत्पत्तियां। वह-

पद, फलनों, परिमर फलनों, अपवर्तक फलनों, त्रिक्लाण्डिमिति फलनों और व्युत्क्रम त्रिक्लाण्डिमिति फलनों का व्युत्पत्तिया।

फलनों का आदा और अनिविष्ट पूर्णांक।

सरल मामलों में आदा की परिगणन—(सरल) प्रतिस्थापन द्वारा और अंशत् समेकन।

यांत्रिकी (सदिज पद्धतियों को अनुमति होगी)

स्थितिकी : बल का निरूपण बल समान्तर चतुर्भुज। बल का संगीत और विभास। समद्विश और त्रिमणीत बल। आधूण बल युगम। समान्तर के प्रतिनिधित्वसमग्री बल और समतलीय बल (4 ग्रॅम अंश नहीं)।

बल-व्युत्पत्ति।

सरल पिण्डों का ग्रूप्तव बोन्ड।

दर्या और शांकित। सरल यत्र (वीघर, घिरनी, तत्त्व, गिरर)।

गतिकी कण का विस्थापन गति वत्र और त्वरण। सतत त्वरण के अर्तात् सीधी रस्ता में गति। प्रक्षेपी सं सद्व बरल प्रश्न। एक रस्ती सं बधे दो द्रव्यमानों की गति। उर्जा विनियम।

उहाँ आयोग उचित समझेगा उम्मीदवारों का 4 स्थान तक लधूग्राणक की प्रयोग को अनुमति दी जा सकती है।

मनीवैज्ञानिक परीक्षण (कोड सं. 07)—प्रदेश इस प्रकार के होग जिसमें उम्मीदवारों की बूनियादी जानकारी और वार्तिक अभिरुचि का मूल्यांकन हो सके।

व्यक्तिगत परीक्षण

प्रत्येक उम्मीदवार का एक एस बोर्ड द्वारा साक्षात्कार किया जाएगा जिसके सामने उम्मीदवार के शीर्षक तथा शाखबाह्य दानों प्रकार के जीवन वृत्त का अभिलेख होगा। उनमें सामान्य हित के मामलों से सम्बद्ध प्रश्न पृष्ठ जायेगे। उनके नेतृत्व, पहलशक्ति और दौदिधक उत्प्रकाता, व्यवहार क्षमता और अन्य सामाजिक गृणी, मार्नासक और शारीरिक शक्ति, व्यावहारिक प्रयोग की शक्ति और चरित्र की सत्यनिष्ठा के गृणी का मूल्यांकन करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा।

परिशिष्ट—II

गांत्रिक हजारीनियरों की भारतीय रेल सेतु में नियकित हुते उम्मीदवारों द्वारा शारीरिक परीक्षा के लिए विनियम

गे विनियम उम्मीदवारों की स्विधा और उनके अपेक्षित शारीरिक स्तर की समाव्यता को संनिदिच्चत करने के लिए प्रकाशित किए जाते हैं। विनियमों का उद्देश्य स्वास्थ्य परीक्षके और उन उम्मीदवारों का सागर्दिशन भी करना है जो विनियमों में नियारित न्यूनतम अपक्षाओं का पूरा नहीं करते और जिन्हें स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा याच्य बोषित नहीं किया जा सकता है। किन्तु यदि कोई उम्मीदवार इन विनियमों में दिए गए नियमों के अनुसार याच्य नहीं है तो भी चिकित्सा बोर्ड का भारत सरकार को उसकी अनुशासा करने का अधिकार होगा। जिसके लिए बोर्ड इस आशय के लिखित कारणों का उल्लेख कर गा कि अमूक उम्मीदवार सरकार की हानि के बिना संभवी होता जा सकता है।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बावजूद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराएं जाने के लिए यह जल्दी है कि उम्मीदवारों वा मानिसों और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हों और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के साथ बक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एन्सो इण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की यात्रा, उड़ाइ और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मंडिकल बोर्ड के उपर यह छांड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग दर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध आकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। याद बजन, कद और छाती के घेरे में विषयमता हो तो जाच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती वा एकम-दो लंगों चाहिए। ऐसा करने के बाद ही कोई बांड़ उम्मीदवार को स्वस्थ अधिक अस्वस्थ घोषित करेंगा।

(म) किन्तु कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस के बिना पूरा उत्तरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

कद	छाती का घेरे	फैलाव (पूरा फैलाकर)
सें.मी०	सें.मी०	सें.मी०
पुरुष उम्मीदवार के लिये	152	84 5
महिला उम्मीदवार के लिये	150	79 5

अनुमूलिक जरूरी तथा गोरखाओं, गड़वालियों, असामियों, नागार्जुन वा जातियों की जातियों जिनका असेत कद म्पट्टत ही कम होता है के उम्मीदवारों के मामले में भी निर्धारित अनुनतम कद में छूट दी जा राखती है।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :—

वह अपने जूत उतार रखा और उसे मापदण्ड (स्टैचर्ड) से इस पकाए सदा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जड़े रहे और उसका बजाए सिवाय एडियों के पांवों के अगुड़ों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा सड़ा होगा और उसकी एडियां, पिंडिलियां, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि इसका स्तर (बटेक्स बाफ दी हैड लेबल) हाईरजेटल बार (आड़े छड़े) के नीचे जाये। कद सेटीमीटरों और आवे सेटीमीटर में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवारों की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जड़े हों और उसको भूजाए भिर के उपर उठी हों। फीरे की छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका उपरी किनारा असफलक (शोल्डर बैंड) के निम्न कांणों (इन्की-रियर एगिल्स) के पीछे रहे और यह फीरे की छाती के गिर्द के जाने पर (आड़े समतल उम्मी हाईरजेटल ग्लेन) में रहे। फिर भूजाओं ने नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि दूसरे उपरी या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि 4.5 लिंग स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कहा जाएगा कि शारीरिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान देया जाएगा और कम स कम अधिक स अधिक फैलाव मेटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93,

आदि। माप रिकार्ड करते समय आवे सेटीमीटर में कम भिन्न (फ्रेशन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान—अंतिम निर्णय से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का बजन किया जायेगा और यह किलोग्राम में होगा। आधा किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर का जाच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायेगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(i) सामान्य (जनरल)—किसी रोग या असामान्यता एवं नामैलिटी का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कान्टिग्राम स्ट्रेक्चर) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय से बाकी के लिए अयोग्य बना सकता हो तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) हैप्टि तीक्ष्णता (विजूअल एक्यूटी)—हैप्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीकी की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

बद्दे के बिना आंख की नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मॉडिकल बोर्ड या अन्य मॉडिकल प्राथकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आख की हालत के बारे में मूल-सूचना (बैंसिक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

उम्मीदवार की उपकरण से परीक्षा की जाएगी और उसको हैप्टि सूतीक्ष्णता रेल बोर्ड को विकिसा अधिकारियों की स्थायी सलाहकार समिति द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार की जाएगी।

विशेष ध्यान—नीचे निर्धारित के, स्तर के, जो उम्मीदवार पूरा नहीं करते, उन्हें नियुक्त होते स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बद्दे के साथ और बद्दे के बिना हैप्टि सूतीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की दृष्टि	निकट की दृष्टि
प्रचंडी आख खराब आख	प्रचंडी आख खराब आख
35 वर्ष से कम	
आपु बाले उम्मी-	
वारों के लिये	6/6 अथवा 6/12 अथवा
6/9	6/9 जे.1 जे.11

टिप्पणी (1)

(क) मायोपिया (सिलेण्डर सहित) कुल 4.00 डी. जी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

(म) हाइपरमेटोपिया (सिलेण्डर सहित) कुल +4.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ग) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए, और उसका परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक

दशा हो, जो कि बढ़ सकती है, और उम्मीदवार की कार्यक्रमता पर प्रभाव लाल सकती है तो उम्मीदवार अधिकार घोषित किया जाए।

टिप्पणी (2)

कलर विजन—कलर विजन को जाच जस्ती है और ममन्ते उम्मीदवारों के सम्बन्ध में परिणाम सामान्य हांना चाहिए। लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग की आसानी से जाच हिचूचाहट के बिना पहचान कर लेना संतोषजनक कलर विजन है। कलर विजन जाच के लिए इश्तहारों की प्लेटों और एडिज़ ग्रीन जैसी दोनों लैटर्न वा प्रयोग होगा।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हाथर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए तो लैटर्न में एपर्चर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान
का उच्चतर ग्रेड	का निम्नतर ग्रेड	
1. लम्प और उम्मीदवार के बीज की दूरी	16 कीट	16 कीट
2. द्वारक (एपर्चर)	13 मिंट मीटर	13 मि. मीटर
3 उद्यासत काल	5 मीटर	5 मीटर

सीशेख क्लास अप्रेटिमेज के लिए रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड आवश्यक है।

टिप्पणी (3)

इप्टि क्षेत्र (फॉल्ड आफ विजन)— भी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कान्फ्लॉप शन मैथड) ध्वारा यूनिट इप्टि क्षेत्र को जांच की जाएगी। जब एसी जाच का नतीजा असतोषजनक या सदिगद हो जब इप्टि क्षेत्र की परिमापी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)

रतोधी (नाईट ब्लाइंडेन्स)— केवल विशग माध्यमों को छोड़कर रतोधी की जाच निम्नी रूप से जस्ती नहीं है। रतोधी में दिवार्स न देने के जाच करने के बाद काई स्टैंडर्ड टैस्ट निश्चित नहीं है। मैडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाउ टैस्ट कर लेने चाहिए जैसे राशनी कम करके या उम्मीदवार को अधिक अपर्चर करने में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर इप्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)

इप्टि से तीक्ष्णता में भिन्न आख की दशा (आक्षयस्तर के डीफॉल्ट)

- (क) आंख की अग्र संबंधी बीमारी को या बहनी हृदय अपवर्तन त्रटी (ग्रिपॉक्टिव प्रर), जिसके परिणाम-स्वरूप इप्टि को तीक्ष्णता के कम होने की सभावना हो, अयोग्यता के कारण समझा जाना चाहिए।
- (म) भैगापन—जहां दोनों आंखों की इप्टि वा हांसा जरूरी है भैगापन अयोग्यता माना जाएगा जबकि इप्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हों।

(ग) एक आख वाला व्यक्ति—एक आंख वाला व्यक्ति नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी (6)

कान्फ्लॉप लैथ—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्फ्लॉप लैथ वा प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह आवश्यक है कि आंख का परीक्षण करते समय दर्क की इप्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्ति 15 कटु कॉर्न्फ्लॉप को प्रदीप्त जैसी हो। विशेष परिस्थितियों में किसी उम्मीदवार के संबंध में किसी भी शर्त की शिथिल करने की छूट सरकार को है।

7. रक्त दाढ़ (ब्लड प्रैशर)

ब्लड प्रैशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल मृक्जीमम सिस्टालिक प्रैशर के आकलन की काम चलाउ विधि निम्नलिखित प्रकार है :—

- (1) 15 से 25 वर्ष के या व्यक्तियों में आसत ब्लड प्रैशर लगभग 100+आयू होता है।
- (2) 25 वर्ष से ऊपर की आयू वाले व्यक्ति में ब्लड प्रैशर के आकलन में 110+आधी आयू का सामान्य नियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष व्यान—सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. के ऊपर सिस्टालिक प्रैशर और 90 एम. एम. के ऊपर डाय-स्टालिक प्रैशर के संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या यथिय उहराने के संबंध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से मह पता लगाना चाहिए। कान्फ्लॉप (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रैशर थोड़े समय रहने वाला या इसका कारण थोड़े कार्यक (ओर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे सभी भासलों में हृदय का एक्सर्ट और इलैक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकास (किल्यरसेस) की जाच की भी नसी तार पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रैशर (रक्त दाढ़) लेने का तरीका

पार्ट नारे दाढ़ भासों (मर्करी मनीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या बबराहट के बाद पन्थ फिनट तक रक्त दाढ़ नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बाहु शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत होरिं-ऑफिट मध्यम में रागी के पार्क पर हो तथा उसके कन्धे से कपड़ा उतार देना चाहिए। कप में से परी तरह हवा निकाल कर बीच की बड़ी भूजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे के कोरेही के मोड़ से एक या दो इन्वेंट्र ऊपर करके लगाना चाहिए इसके बाद कपड़े की पट्टी के फैलाकर समान रूप से लपेटा जाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु धमनी (बूर्कीजल आटरी) के दबाव कर दंडा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों बीच स्टेथ-एक्ट्रों को हल्के से लगाया जाता है जो कप के साथ न लगे। कप में लगभग 200 एम. एम. एच. जी. हवा भरी रहती है और इसके बाद इसमें धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की

क्रिमिक ध्वनिया सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रैशर दर्शाता है और जब हवा निकाली जाएगी तो और तज ध्वनिया सुनाई पड़ती है। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनिया हल्की दर्ती है तो लुप्त प्रायः हो जाए वह आयस्टालिक प्रैशर है। ब्लॉक प्रैशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना आहिए अयोग्य के बाद समय का इजाज राती के लिए ध्वनिया होता है और नगर रोडिंग गलत होता है। यदि दोबारा पटना करनी जरूरी है तो कफ भ न परी दबा निकाल कर कल्प दिन के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में स हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर तक ध्वनिया सुनाई पड़ती है, दब गिरने पर ये गायब हो जाती है तथा निम्न स्तर पर पूरा प्राप्त हो जाती है। इस 'माइलट गप' में रीडिंग में नलती हो सकती है।)

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए सब को ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मैंडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के सब में रसायनिक जांच द्वारा शक्ति का पता ले तो बार्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करता और मध्यमें (डाय-विटीज) के घातक चिन्ह और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करता। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्रन्यूज में (ग्लाइ-नोर्मॉनिया) या चिनाय, अपेक्षित मैंडिकल फ़िटनेस के २००५००० के अनुसार पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फ़िटनेस घोषित कर सकता है कि ग्रन्यूज में हमधमेही (नान डाय-बॉटिक) है और बोर्ड इस के सभी मैंडिसन के किसी एस निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयांगशाला की संविधान हों। मैंडिकल विशेषज्ञ मैंडिलर्ड डॉ शगर टालरमैं टैस्ट समेत जो भी विलिनिक नेबोरोनी परीक्षाएं जल्दी समझेगा, करता और अपनी रिपोर्ट मैंडिकल बार्ड को भेज देगा जिस पर मैंडिकल बोर्ड की 'फिट' 'अनफिट' की अतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। अपिधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह अस्थी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अरपताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणाम कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से सब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूती की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में वीमारी का कोई चिन्ह नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ इवारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य किया (आपरेशन) या हैरिंग एड के इस्तेमाल में हो सके हों उम्मीदवार को इस जागर पर जायाज्ञा नीरिंग नीटी फ़िज़ जा सकता दर्शते कि कान की वीमारी इन्हें बाली न हो। यह लावध भारतीय रूप भड़ाग सेवा के अन्याय जन्य रूप मन्त्री रेना इंजीनियरी संवा, तार इंजीनियरी भेंडा ग्रा 'क', तार यासायात सेवा ग्रुप 'ब्स', केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' और

केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप पर लागू नहीं है। विकल्प १००० प्रायः विकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस मद्दत में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है।

- (i) एक कान में प्रैट प्रथम पैर ब्रॉगाप, दूसरा भासा सामान्य होगा। स्पेशल ब्लास अप्रेटिसेज परो पर नियक्ति के लिए प्रयोग्य
- (ii) दोनों कानों में वहगापन का रैशन मान अप्रेटिसेज परो पर नियक्ति में लिए प्रयोग्य।
- (iii) संकेत अववा मार्जिन टाइट के टिप्पेनिक मैंड्रेन का छिद्र। कुछ पटल भा कोई छिद्र ठीक न हो तो प्रयोग्य किन्तु विक्रम बाबा रा निशान प्रयोग्यता का कारण नहीं माना जायगा। साथ क्षमा अप्रेटिसेज के परो के लिये अप्रयोग्य।
- (iv) जान के एक शाम दोनों ओर पस्टाइट कैविटी में सबनार्मल ध्वनि। तकनीकी ओर गैर-तकनीकी पदो के लिये अस्थाई रूप से प्रयोग्य।
- (v) बहुत रुक्त बाला अपरेशन किया गया/विना आपरेशन किया गया।
- (vi) नासापुट का हड्डी सम्बन्धी विषमनाओं (बोना डिफ़ा-गिटी) गलिंग आयता उगसे र्गिंग नान जीं जीं प्रश्नक आलजिर दशा। (i) प्रस्त्रे का परिस्थ-निया के घन्तामार नियंत्रिया जायेगा।
- (ii) यदि उच्चों मैट्रिन नासापुट, अफमरण विद्यमान हो तो प्रस्थाई रूप से प्रयोग्य।
- (vii) टागिट्स और/प्रथवा स्वर यन्त्र (लरिक्स) का जीर्ण प्रवाहक दशा। (i) टासिल्म ग्रीव/प्रथवा स्वर यन्त्र की जीर्ण प्रवाहक दशा-याप्य।
- (viii) दान/नाक/गो (ई० एन० टी०) के हड्डेके अथवा शामने स्थान पर दुरभयूमर। (ii) यदि आवाज में अस्थाई कर्कशाना विद्यमान हो तो प्रस्थाई रूप से अप्रयोग्य।
- (ix) दूर्दम दूर्दम प्रयोग्य अवधि गैल की महायता से या आपरेशन के बाव 30 लेसी वेल अवधिना के अद्दर होने पर योग्य।
- (x) नंगव शोला रेशल लाम अप्रेटिसेज के लिये अप्रयोग्य।
- (y) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
- (z) उसके दात अच्छों हानत में हों या नहीं और अच्छी तरह घबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दृति लगे हों या नहीं। (अच्छी तरह भरे हए बासों के ठोक समझा जाएगा)।
- (aa) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फैफ़े ठीक है या नहीं।

- (इ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
 (च) उसे रपचर है या नहीं।
 (छ) उसे हाइड्रोसील, बड़ी हड्डी और कोसिल, बोरकाज-शिरा (बैन) या बदासीर है या नहीं।
 (ज) उसके अंगों ताथों और पैरों को बनावट और विकास अच्छी है या नहीं और उसकी श्रम्भित्यां भली-भांति स्वतंत्र रूप से विलती है या नहीं।
 (झ) उसे कोई चिरस्थाई त्वचा की बीमारी है या नहीं।
 (ञ) कोई जन्मजान क्रचना या दोष है या नहीं।
 (ट) उसमें किसी उम्र या जीर्ण बीमारी से निशान है या नहीं। जिनसे कमज़ोर गठन का पता लगे।
 (ठ) कारगार टीके के निशान हैं या नहीं।
 (ઇ) उसे कोई मंथारी (कम्फनिकेल) गोंग है या नहीं।

11. दिल और फेझों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, उसी मामलों में नेहीं रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी गये लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार में अपौर्क्षत दक्षतापूर्ण डॉट्टी में इसे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

टिप्पणी—उम्मीदवारों को बेतावनी दी जानी है कि उक्त मंदा के लिए उनकी स्वस्थता निर्धारित करने हेतु नियन्त्रित चिकित्सा बोर्ड—आहे बोर्ड विशेष है या शायद हो—के विरुद्ध अपील करने का अधिकार नहीं है। किन्तु फिर भी यदि मरकार पहले बोर्ड के नियन्त्रण में गलवी की समावना के विषय में प्रमाण प्रस्तुत कर दिए जाने पर मंत्रालय हो जाती है तो वह मरकार दी डच्छा पर होगा कि वह दूसरे बोर्ड के सामने अपील की इजाजत दे। इस प्रकार का प्रमाण लिये पत्र में उम्मीदवार को पहले चिकित्सा बोर्ड का नियन्त्रित संचित किया गया है उगकी तारीख से एक भास के अंदर प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए, अन्यथा दूसरे चिकित्सा बोर्ड की अपील करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय पर चिनार नहीं किया जाएगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा पहले बोर्ड के विनिश्चय में नियन्त्रण संबंधी वृटि की संभावना से संबुद्ध प्रमाण के रूप में कोई चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उस प्रमाण-पत्र पर नब तक कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा जब तक इसमें मंत्रदण्ड चिकित्सा व्यवसायी की इस आशय की टिप्पणी अंकित न हो कि यह टिप्पणी इस तथ्य को परीक्षण जानने हाएँ अंकित की गई है कि उक्त उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड द्वारा सेवा करते अयोग्य पाएँ जाने पर अस्वीकृत कर दिया गया है।

मेडिकल बोर्ड और उम्मीदवारों के लिए निम्नलिखित सचना दी जाती है :—

- शारीरिक गोंगता (फिटनेस) के लिए अपनाएँ जाने वाले स्टॉर्ड में गोंगित उम्मीदवार की आय और मंदा काल (यदि हो) के लिए उचित ग्रन्तीश करना चाहिए।
- किसी ऐसे व्यक्ति को परिवक्त सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं माना जाएगा जिसके बारे में यक्षमित्यांत मरकार या

प्रधाना प्रधानिकारी (प्रधानमंत्री अधिकारी) को यह तसली नहीं देनी चाहिए जिसी कोई बीमारी या शारीरिक दर्दनामा (ब्राइली नामार्टिमटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो गा इसके अयोग्य होने की संभावना है।

3. यह बात सभी लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य में भी उत्तरा ही संबद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल ग्राइडा का एक मूल्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियमित्या के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर सभी पूर्व पेशन या अदायगियां को रोकता है। साथ ही गहरी भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना वा ही और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की जल्दी उस हालत से नहीं दी जानी चाहिए जबकि कोई गोंगा दोष हो जो केवल वहाँ कम स्थितियां में निरन्तर कारगर गता में बाधक पाया गया है।

भृहिता उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी नेष्टी डॉक्टर को प्रॉडिक्शन बोर्ड के सदरश के रूप में संबोधित किया जाएगा।

5. अद्वारी बोर्ड की रिपोर्ट को गोणीय रखना चाहिए।

6. एम्स मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार मरकारी सेवा में लिया गया के लिए आयोग्य करार दिया जाता है तो मौटे सेरे पर माने अस्वीकार किए जाने के आधार नियमित प्राधिकारी द्वारा उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डॉक्टरी बोर्ड ने जो स्वास्थ्य धनाती उनका विस्तृत व्योग नहीं दिया जा सकता।

7. एम्स गाम्लों में जहाँ लाइटरी बोर्ड का यह विचार हो नियमित सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली डॉक्टरी-गोंगी लगावी चिकित्सा (आयोग्य या शल्य) द्वारा दूर हो गए हो वहाँ अद्वारी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिपोर्ट किया जाता रहता है। नियमित प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की गये मूल्यांकित किए जाने में कोई अपील नहीं है और यदि वह लगावी दूर हो जाए तो दूसरे डॉक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने भी अवधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :

आपनी भी कान परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित पर्योग्यता स्टेटमेंट देना चाहिए और उनके पास नहीं है घोषणा (प्रिव्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में अल्लिमित भृतानी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से धोन देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें :—

(मान अधरों में)

2. अपनी प्राय और जन्म स्थान बताएं

(ज) क्या आप गोरेला, गढ़वाली, असमिया, उंगी जातियों नामानें जन-जाति आदि में से किसी में संबंधित हैं जिनका आमत वह दूसरों से कम होता है “हाँ” या “नहीं” में उत्तर दीजिए। उत्तर “हाँ” में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

4. (क) क्या आपको कभी औचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दसरा बुखार, ग्रींथियां (ग्लैंग्स) का बढ़ाया या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौरे, रुमीटिज्म, एपोहिसाइटिस हासा है?

- (ल) दूसरी कोई ऐमी बीमारी या इर्थटेस, जिसके कारण शय्या पर लटे रहना पड़ा हो और जिसका मैंडिकल या मर्जिकल इलाज किया गया हो, हूँह है?
5. आपके चेहरे का टीका आखिरी बार कब लगा था?
6. क्या आप या आपको कोई निकट का संबंधी कभी कलजम्पशन सीरोफला गाउट, दमा, दौरे, अपम्भाग या पागलपन का शिकाय हआ है?
7. क्या आपको अधिक काम या किमी इनारे वारण गे किसी किसम की अधीरता (नर्वसनेस) है?
8. आपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित घृणे हैं:—

यदि पिता जीवित मृथ्यु के समय हो तो उनकी पिता की मायुओर मायु और मृथ्यु का कारण स्वास्थ्य की अवस्था	आपके किनने यदि के किनने भाई जीवित है, भाईयों की उनकी मायु और स्वास्थ्य की अवस्था
---	--

यदि माता मृथ्यु के समय जीवित हो तो उसकी मायु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी माता की मायु और मृथ्यु का कारण की अवस्था	आपकी किननी भाइनों की मृथ्यु हो जूने है।
---	---	---

9. क्या इसके पहले किसी मैंडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?
10. यदि उत्तर के प्रश्न का उत्तर “हाँ” में हो तो बताइए किस सेवा/किस सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की है?
11. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?
12. कब और कहाँ मैंडिकल बोर्ड हूँहा?
13. मैंडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो
- मैं आंपित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, उत्तर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक है।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर
मरे सामने हस्ताक्षर किए
बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो बैठने का जोखिम लेगी और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो बार्थक्य निवृति भत्ता (सुपरएन्टेन अलाउंस) या उपदान (एन्ट्रीटो) के सभी दावों ने हाथ धो बैठेगा।

(स) (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा करने पर मैंडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. ग्राम्य विकास अच्छा
वीच का कम
पोषण : पतला (आसत)

मोटा कम : (जूते उतारकर) . . .
वजन अत्युत्तम वजन . . . कम था?
वजन में कोई हाल ही में हआ परिवर्तन
नामान
छाती का घेर

- (1) पूरा सांस खोने पर
(2) पूरा सांस निकालने पर
2. न्यूचा—कोई जाहिरा बीमारी।
3. नेत्र :
- (1) कोई बीमारी
 - (2) रत्तोंधी
 - (3) कलर विजन व दोष
 - (4) इष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)
 - (5) इष्टि सीक्षणता (विज़अल एक्वीटी)
 - (6) फॅड्स की जांच

दृष्टिकी शीक्षणता चम्मे के बिना चम्मे से चम्मे की पावर स्फी० सिलिप्सल

दूर की नजर वा० न०
वा० न०

पान की नजर वा० न०
वा० न०

हाईपर मैट्रोपिया वा० न०
(अक्षत) वा० न०

4. कान : निर्देशन सूना
दायां कान दायां
बायां
5. ग्रंथियां धाइराइड
6. दातों की हालत
7. इवसन तंत्र (रेसपायरटरी सिस्टम) —क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी अपसामान्यता का पता लगा है? यदि पता लगा है तो पूरा व्यौरा है
8. परिमंचरण तंत्र (सकर्फिल्टरी सिस्टम)

- (क) दृश्य कोई आंगिक विकास आगोंमिक लीजन) —
गति (रेट)
सहृदायी पर
25 बार कुशाए जाने के बाद
कुदाए जाने के 2 मिनट बाद
ब्लड प्रैशर सिस्टालिक
डायस्टालिक ल ल ल ल ल

9. चबर (पेट) धेरा स्वर्ण सहायता
हार्निया
(क) दबा कर मालूम पड़ना/जिगर
तिली गुदै
दृश्यमार
(ख) स्कतार्प
भंदर
10. तांत्रिका तंत्र (नर्व सिस्टम) तंत्रिका या मानसिक अपसामान्यता का संकेत
11. ताल तंत्र (लोकोमोटिव सिस्टम) :
'कोई अपसामान्यता
12. जनन मूत्र तंत्र (जॉनिटी यूरिनरी सिस्टम)—
हाइड्रोसील बैरीकोसील आदि का कोई संकेत :
मूत्र परीक्षा :—
(क) कैसा दिखाई पड़ता है?
(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पर्सिफिक ग्रेचिटी)
(ग) एल्ब्मैन
(घ) श्वकर
(ड) कास्ट्स
(च) कॉरिशिकाण् (सेल्स)
13. छाती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट
14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है?
15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए आने के बाद किन सेवाओं में कार्य के दक्ष, मतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए यह अयोग्य पाया गया है।

नोट—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अथवा उससे अधिक समय भी गर्भीय है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9।

स्थान
तारीख
अध्यक्ष
सचिवस्थ

परिविष्ट ॥ ॥

इस परीक्षा के आधार पर चने गये स्पेशल क्लास अप्रैटिस हेतु अप्रैटिसिशिप की शर्तें—

अप्रैटिसिशिप की शर्तों का उल्लेख इंडियन रेलवे एस्ट्रोव-लिस्मेंट मैनेजमेंट में निर्भारित करार पत्र में कर दिया जाएगा। इसका संक्षिप्त निम्न प्रकार है :—

- स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैटिस के रूप में नियुक्ति के लिए प्रस्तावित उम्मीदवार को निर्धारित प्रपत्र में इस आशय का करार करना होगा यि सरकार की संतुष्टि के अनुरूप स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैटिस का प्रशिक्षण पूरा करने में असफल रहने पर यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में प्रस्तावित नियुक्ति के स्वीकार न करने की स्थिति में जो धन उसे दिया गया है या सरकार द्वारा जो धन पर खर्च किया गया है, उसको लौटाने के लिए वह तथा

उसका एक प्रतिभूत संयुक्त रूप में तथा पृथक-पृथक रूप में बाध्य होंगे सरकार डॉ खर्च की राशि के बारे में निर्णय करने का एकमात्र अधिकार होगा।

अप्रैटिस की शुरू में एक चार वर्षीय प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण इस आशय के बाध्यक अनुबन्ध पत्र के अन्तर्गत लेना होगा कि यदि जरूरत पड़ी तो उन्हें प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय रेलवे में सेवा करनी पड़ेगी। उसकी अप्रैटिसिशिप एक वर्ष बाद दूसरे वर्ष तभी रखी जाएगी जब जिस अधिकारी के अधीन वह कार्य कर रहा है उससे संतोष-जनक रिपोर्ट मिल जाती है। अप्रैटिसिशिप के द्वारा यदि किसी समय वह अपने वरिष्ठ अधिकारी को इस बारे में संतुष्ट नहीं करता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहा है तो उसे अप्रैटिसिशिप से जलग कर दिया जाएगा।

टिप्पणी—भारत सरकार अपनी विवक्षा पर प्रशिक्षण की अवधि तथा कोर्स में कोई परिवर्तन या संशोधन कर सकती है।

2. अप्रैटिसिशिप के चार वर्ष तक उपर्युक्त प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण किसी रेलवे वर्कशाप में दिया जाएगा। स्पेशल क्लास अप्रैटिसों को इस अवधि के द्वारा या तो काउंसिल आफ इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूशन एज्ञामिनेशन (लन्दन) का भाग-1 और भाग-2 इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इण्डिया) एज्ञामिनेशन की एसोशिएट मेस्टरिंग का सेक्षन 'ए' और 'बी' अवध्य पास करना चाहिए। अप्रैटिसों को पहले और दूसरे वर्षों के द्वारा 250/- रु. प्र. मा. छात्रवृत्ति तथा तीसरे वर्ष और चार्थे वर्षों के दौरान 400/- रु. प्र. मा. छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अप्रैटिसिशिप के दौरान उम्मीदवारों को सैद्धांतिक और व्यवहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इसमें कुल 7: सिमस्टर परीक्षाएं होंगी जिनमें प्रत्येक का उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यदि वे किसी परीक्षा में असफल रहते हैं तो उनके निष्पादन को देखते हुए उन्हें पूरक परीक्षा में बैठने और उसमें उत्तीर्ण होने या अगले निष्पादन वर्ष में चले जाने के या अप्रैटिसिशिप से हट जाने के कहा जाएगा।

टिप्पणी—सिवाय जैसा कि नीचे पैराग्राफ 4 में व्यवस्था है या वह अनधिनता असंयम या अन्य कदाचार का वर्णन पाया जाता है, या कोई करार भंग कर दिया जाता है, अप्रैटिसिशिप से हटाने के लिए एक सप्ताह का नोटिस दिया जाएगा।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में निर्विष्ट प्रशिक्षण के बाथा वर्ष पूरा होने से पहले अप्रैटिसों को एक सूची ली गई परीक्षा या अप्रैटिसिशिप की अवधि के द्वारा प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर योग्यता कम में तैयार की जाएगी। भफल अप्रैटिस यांत्रिक हंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में तीन वर्ष की परिवीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे।

ध्यान दें—किसी भी प्रशिक्षक के अर्हक स्तर की योग्यता से युक्त सभी माना जाएगा जब उसकी प्रशिक्षण की छह सिमस्टर परीक्षाओं की अवधि में संचालित सभी परीक्षाओं में उसको कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हों जिसमें भारतीय रेलवे यांत्रिकी वैद्युत हंजीनियरी संस्थान, जमालपुर के प्रधानाचार्य तथा उप मन्त्री यांत्रिकी हंजीनियर के प्रतिवेदनों में प्राप्त अंक भी शामिल होंगे। यह भी जल्दी है कि छह सिमस्टर परीक्षाओं की इस अवधि में

प्रत्येक वर्ष कल मिलाकर कम स कम 45 प्रतिशत और प्रत्येक विषय में कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त हों।

4 असफल प्रशिक्षणों को, एक महीना पहले यह सचना देखें कि उमकी प्रशिक्षण अपने रही, प्रशिक्षण से निवारित कर दिया जाएगा।

5 अप्रैटिसिष्ट के चार वर्ष सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद परिशिष्ट में नीचे पैरा 1 के परन्तक की शर्तों के अनुसार अप्रैटिसिष्ट के यात्रिक हजारीनियरों की भारतीय रेल सेवा में परिवीक्षा पर नियक्त किया जाएगा। यात्रिक हजारीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारियों के बेतन एवं सेवा की मामान्य शर्तों के विवरण परिशिष्ट 4 में दिए गए हैं।

परिशिष्ट 4

यात्रिकी हजारीनियरी का भारतीय रेलवे सेवा से मंबंधित विवरण

1 परिवीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। परिवीक्षकों के बीच में नियक्त और बेतन का आरम्भ (क) अप्रैटिसिष्ट की 4 वर्ष की अवधि के समाप्त होने की तारीख से या (ल) प्रशिक्षण के परा करने की वास्तविक तारीख से जो भी बाद की हो, माना जाएगा।

किसी गत यह है कि उन स्पेशल क्लास अप्रैटिसेज के, जो अपने अप्रैटिसिष्ट के 4 वर्ष के भीतर ए एम बाहर हैं (लन्दन) के भाग 1 और 2 ए एम जाहर हैं (इंडिया) के भाग ग और भी परिवीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पायेंगे तो उन्हें केवल उसी तारीख में परिवीक्षकों के पह पर नियक्त किया जाएगा जिसमें वे हन परीक्षाओं में से किसी एक में पूर्ण रूप से सफल होंगे।

नो (1)परिवीक्षकों को सेवा में बनाए रखने और उनको वार्षिक बेतन विधिया स्वीकृत करने के बारे में हवा ही विचार किया जाएगा जब तक कि उनके कार्य के मंबंध में वर्ष के अंत में संसोषजनक रिपोर्ट प्राप्त न हो जाए।

(2) किसी भी ओर से तीन भास का नॉटिस दिए जाने पर परिवीक्षकों की सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

2 परिवीक्षा के प्रथम और दिवारीय वर्षों में उनकी एक या उनके भारतीय रेलवे केन्द्रों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा जिसके लिए एक निर्भीरत पाठ्यक्रम होना और यह समय-समय पर मंशोधित भी हो सकती है। परिवीक्षाधीन अधिकारियों को कार्य समय के बाद किसी प्राविधिक महाविद्यालयों में या इंजीनियरी विद्यालयों पर विशिष्ट भाषण मनने के लिए भेजा जा सकता है। प्रशिक्षण की हम दो वर्ष की अवधि में प्रशिक्षण की प्रत्येक दशा के बाद अभियंता और जिस रेलवे में परिवीक्षित की नियक्त होती है यहाँ के मरु परिवालक अधीक्षक द्वारा समिलित रूप में आयोजित होती जिसमें अहंता प्राप्त करने के लिए 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

3 परिवीक्षा की अवधि में उनके रेलवे कर्मचारी महाविद्यालय इडोदा में एक निर्भीरत प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और महाविद्यालय के द्वारा आयोजित परिवीक्षा में उत्तीर्ण भी होना होगा। महाविद्यालय की यह परिवीक्षा अनियार्थ होती और इसमें द्वारा बैठने की अनुमति मामान्य नहीं दी जाएगी जब

उक्के काले आपवादिक परिस्थितिया न हों और अधिकारियों का कार्य लेख इस प्रकार की छाट को उपयक्त प्रसारित न करें। परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी द्वालत में जब तक ये परीक्षा में उत्तीर्ण न हों उनका स्थायीकरण नहीं हो सकेगा और प्रशिक्षण और/या परिवीक्षा अवधि यथावश्यक बढ़ा दी जाएगी। परिवीक्षा की अवधि के दो वर्ष परा होने के पहले उनको एक विभागीय परीक्षा में भी बैठना होगा जिसमें विषय होंगे—लेसा और प्राक्कलन, मामान्य और आनंदपंचिक नियम, कारखाना अधिनियम कारीगर प्रतिपर्ति अधिनियम, अभियांत्रों में काम करने का कौशल तथा परिवीक्षा की अवधि में प्रत्येक अधिकारी को सांपे गाए कार्य पर कार्यों में उनकी अनुप्रयत्नता। उनको इस विभागीय परीक्षा में परिवीक्षा के बासरे साल के अन्दर-अन्दर उत्तीर्ण होना पड़ेगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी द्वालत में उनकी बेतन-विविध रुक्का दी जाती है। नियित अवधि के अंदर किसी जाति या सभी विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में उत्तीर्ण न होने के कारण जब परिवीक्षा की अवधि बढ़ानी पड़ती है, उस दशा में विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और बढ़ाइ गई परिवीक्षा अवधि के बाद स्थायी बनाए जाने पर पहली और उसके बाद की बेतन-विविध की प्राप्ति समय-समय पर परिवर्तित नियमों और आदेशों अनुसार नियत होती है। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि परीक्षा में दासरी बार बैठने की अनुमति नियमानुसार नहीं दी जाती है जब तक कि किसी आपवादिक परिस्थितिया न हों और प्रशिक्षण की अवधि में उत्तीर्णवार का कार्य लेख काले काले न हो कि इस प्रकार की छाट उपयक्त मालूम पड़े।

ध्यान दें सरकार, अपने निर्णय में, किसी भी कार्य भारी पर्याप्ति की प्रशिक्षण अवधि और परिवीक्षा अवधि में परिवर्तन कर सकती है। अगर किसी मामले में प्रशिक्षण की अवधि बढ़ा दी जाती है तो तबन् सार परिवीक्षा की समस्त अवधि बढ़ाइ जाती है।

4 परिवीक्षाधीन अधिकारियों को देवनागरी लिपि में प्रिन्टी की किसी अन्योदित स्तर की परीक्षा में पहले से ही उत्तीर्ण होना चाहिए या परिवीक्षा अवधि में उत्तीर्ण होना चाहिए। यह परीक्षा शिक्षा निक्षेप, दिल्ली के द्वारा आयोजित हिन्दू प्रक्रिया या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और कोई समक्ष परीक्षा हो सकती।

जब तक कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी इस अपेक्षा की पर्ति नहीं करता है, तब तक उसको न स्थायी किया जा सकता है और न उसकी बेतन सामियक बेतनमान में रु 780 00 प्रतिमास तक बढ़ाया जा सकता है। अगर इस अपेक्षा की पर्ति नहीं कर पाता है तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। कोई सूट नहीं दी जा सकती।

5 सन 1965 के बाद की परीक्षा के आधार पर यात्रिक हजारीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में नियक्ति किसी भी व्यक्ति को अपेक्षित होने पर, किसी रक्षा मेवा से या भारतीय रक्षा में सम्बन्धित किसी पर कम से कम दो वर्ष की अवधि तक काम करना होता है। आगे कोई प्रशिक्षण हो, तो इसमें उप्रशिक्षण की अवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को—

(क) परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में नियक्त होने की आवश्यकता से दस वर्ष समाप्त होने पर उपयक्त पर काम करने की आवश्यकता नहीं होगी।

(ब) सामान्यतः 40 वर्ष की आय पूरी हो जाने पर पूर्णक्ष सेवा नहीं करनी पड़ेगी।

6. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारी :—

(क) पैशन लाभ के पात्र होंगे, और

(द) राष्ट्र रेलवे और अंशवाची भविष्य निधि में उक्त निधि के नियमों के अंतर्गत अंशवाच करेंगे :—

जैसा कि उन रेलवे कर्मचारियों पर जो अपनी नियुक्ति के दिन कार्यभार प्राप्त करते हैं, लागू है।

7. परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में सेवा पूर्स करने की तारीख से बेतन शुरू हो जाएगा। उपर्युक्त पैरा 3 की अधीन बेतन-यूटिक्ष होते सेवा भी उसी दिन से गिनी जाएगी। बेतन अधिक का विवरण इस परिविष्ट के पैरा 10 में अलिङ्गित है।

8. इन विनियमों के अधीन भर्ती हुए अधिकारी इस समय लागू नियमों के जो भारतीय रेल अधिकारियों पर लागू है, अनुसार छुट्टी के पात्र होंगे।

9. सामान्यतः अधिकारी पूरी सेवा के लिए, उसी रेल में लगे रहेंगे जहाँ उनकी पहली नियुक्ति होती है, और किसी दूसरे रेल में उन्हें स्थानान्तरण का कोई अधिकार नहीं होगा किन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि सेवा की परीक्षाओं को दूसरे हुए भारत में या बाहर किसी दूसरी रेल में परियोजना में स्थानान्तरण कर सके। अपेक्षित होने पर अधिकारियों को भारतीय रेल के स्टार्ट-मेट में सेवा करनी होगी।

10. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति अधिकारियों की इस समय बेतन की निम्न प्रकार हो ग्राह्य है :—

कनिष्ठ बेतनमान : रु. 700-40-900-रु. १०-४०-११००-५०-१३००

वरिष्ठ बेतनमान : रु. 1100 (छठा वर्ष या कम) ५०-१६००

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :— रु. 1500-६०-१८००-१००-२०००

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (I) रु. 2250-१२५/२-२५००

(II) रु. 2500-१२५/२-२७५०

टिप्पणी 1 : परिवीक्षाधीन अधिकारियों के शुरू में कनिष्ठ बेतनमान का न्यूनतम विद्या ज्ञाएगा और बेतन यूटिक्ष के लिए उनकी सेवा कार्यारम्भ की तारीख से गिनी जाएगी। किन्तु इससे पहले कि उक्त समयमान में उनका बेतन 740.00 रु. प्र. मा. से 780.00 रु. प्र. मा. तक बढ़ाया जाएगा। उन्हें निधारित परीक्षा या परियोजना उत्तीर्ण करनी होगी।

टिप्पणी 2 : यदि वे प्रशिक्षण के पहले दो वर्षों और परिवीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहते हैं रु. 740.00 से रु. 780.00 तक यूटिक्ष योग दी जाएगी जब निधारित अवधि के दौरान सभी विभागीय परीक्षाओं में असफल रहने के कारण प्रशिक्षण अवधि बढ़ानी पड़ी हो तब प्रशिक्षण की बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति के पश्चात् उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर उनका बेतन जिस तारीख के अंतिम परीक्षा समाप्त होती है उसके बाद की तारीख से उक्त समयमान में उस अवधि पर नियत किया जाएगा जो वे अन्यथा प्राप्त कर लेते। किन्तु उन्हें बेतन का कोई बढ़ाया नहीं दिया जाएगा। एस मामलों में भविष्यत बेतन यूटिक्ष की तारीख प्रभावित नहीं होगी।

11. बेतनयूटिक्ष केवल अनुमोदित सेवा के लिए और विभागीय नियमों के अनुसार दी जाएगी।

12. प्रशासनिक ग्रेडों में पदान्वति संस्थानीकृत स्थापना में विविधताएं होनी पर ही होती है और पूरी तरह व्यवस्था पर आधारित होती है। केवल वरिष्ठता पदान्वति का कोई अधिकार प्रदान नहीं करती है।

4. F. C. Rastogi—Judicial Member

5. S. P. Kapur—Judicial Member.

P. K. KARTHA
Jt. Secy & Legal Adviser
to the Government of India

MINISTRY OF LAW & JUSTICE

DEPTT. OF LEGAL AFFAIRS

New Delhi, the 30th November 1984

No. A-11019(2)/83-Adm.III(LA).—In pursuance of sub-section (3) of section 255 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorise each of the following members of the Income-tax Appellate Tribunal, for the purpose of the said sub-section, namely :—

S/Shri

1. H. S. Ahluwalia—Judicial Member

2. S. S. Mehra—Judicial Member

3. Egbert Singh—Accountant Member

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF REVENUE

New Delhi, the 22nd December 1984

RESOLUTION

No. E.11011/10/81-O.L.—In the Resolution No. E. 11011/10/81-O.L. dated 27th September, 1982, as amended by Resolutions dated 11-8-83, 7-10-83 & 30-6-1984, constituting the Hindi Sahakar Samiti, of the Ministry of Finance,

issued by this Department and published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, dated 23-10-82 at page 713, the following amendments shall be made therein, viz:—

1. The name of the Samiti "Hindi Salahakar Samiti for the Ministry of Finance" shall be changed to "Hindi Salahakar Samiti for the Departments of Revenue & Expenditure".
2. The existing entry No. "3. Dy. Minister in the Ministry of Finance—Vice Chairman" shall be deleted.
3. The existing entries at Sl. Nos. 4 to 17 will be re-numbered as 3 to 16.
4. "Finance Secretary—Member" shall be added as Sl. No. 17.
5. The existing entries No. "18. Governor, Reserve Bank of India—Member", No. "20. Secretary, Economic Affairs—Member", No. "25. Chairman, Life Insurance Corporation—Member", No. "26. Chairman General Insurance Corporation—Member" and No. 28. Additional Secretary, Deptt. of Economic Affairs (Banking Wing—Member" shall be deleted.
6. The existing entries at Sl. Nos. 19, 21, 22, 23, 24, 27, 29 and 30 shall be renumbered as Sl. Nos. 18 to 25.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to :

President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, Comptroller & Auditor General of India, Director of Audit, Central Revenues, all Members of the Samiti, and all the Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. K. DWIVEDI, Jt. Secy.

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

New Delhi, the 6th December 1984

CORRIGENDUM

In this Ministry's Notification No. 14(15)/82-EPZ dated 30-1-1984 published in the Gazette of India Part—I Section 1 No. 8 dated 25-2-1984, "Sl. No. 11—Development Commissioner, Falta Export Processing Zone—Member" may be replaced by the following :—

"11. Development Commissioner,
Cochin Export Processing Zone
—Member-Secretary."

R. C. DUBEY, Dy. Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPTT. OF AGRICULTURE & COORN.)

New Delhi, the 26th December 1984

RESOLUTION

No. 2-4/83FRY/FIPC.—In continuation to this Ministry's Resolution No. 7-9/76-FRY/FIPC dated 29-1-1977 constituting the Development Committee for Packing Cases, it

has been decided to include the following representatives as Members of the said Committee for the purpose of its smooth and effective functioning :

- (i) Chief Conservator of Forests, J&K.
- (ii) Chief Conservator of Forests, U.P.
- (iii) Director of Horticulture, Govt. of J&K.
- (iv) Director of Horticulture, Govt. of U.P. and
- (v) Managing Director, Horticulture Produce & Marketing Society, H.P.

2. It has also been decided, to delete the entry at S. No. 9 in the composition of the said Committee, indicated in paragraph 1 of the above Resolution dated 29-1-1977.

3. The expenditure on T.A., D.A. etc. on account of travel in connection with the work of this Committee would be borne by the members, from the same source, from which they draw their salary & perquisites.

ORDER

4. ORDERED that a copy of this Resolution, be communicated to all concerned and published in the Gazette of India for general information.

L. H. A. REGO
IGR & Ex-officio Addl. Secy.

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

DEPARTMENT OF LABOUR

New Delhi, the 31st December 1984

No. Q-16011/2/84-WE.—Whereas in the Ministry of Labour and Rehabilitation Notification No. Q-16012/4/83-WE, dated 17th January, 1984, the name of Shri J. K. Bhattacharya, Joint Secretary, Ministry of Information and Broadcasting and Notification No. Q-16012/4/83-WE, dated 3rd February, 1984, the names of Shri R. N. Srivastava, Director, Public Enterprises for Continuing Education, New Delhi and Shri B. K. Sinha, Director, National Institute of Cooperative Management, Pune were notified, for information of the Public, to serve on the Central Board for Workers Education as coopted members with effect from the date of issue of these Notifications.

Whereas in accordance with the Rule 4(ii) of the Rules and Regulations of the Central Board for Workers Education any member so coopted as per Rule. 3-A, shall normally hold office for one year from the date of resolution coopting him and shall be entitled to be coopted again on the Board.

Whereas now the Central Board for Workers Education has coopted Shri K. S. Baidwan, Joint Secretary, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India, New Delhi, Shri R. N. Srivastava, Director, Public Enterprises Centre for Continuing Education, New Delhi and Shri B. K. Sinha, Director General and Executive Vice Chairman, National Council for Cooperative Training, New Delhi on the Board, it is notified, for information of the public, that these persons shall serve on the Board representing the Ministry and their Institutions respectively with effect from the date of issue of this Notification.

CHITRA CHOPRA, Director

**MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)
RULES**

New Delhi, the 19th January, 1985

No. 84/E(GR)I/1/10.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1985 for selection of candidates for appointment as 'Special Class Apprentices' in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d), and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A Candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 20 years on 1st January, 1985, i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1965; and not later than 1st January, 1969.

(b) The upper age limit prescribe above will be relaxable—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Schedule Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (ix) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (x) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (xiv) up to a maximum of five years in case of ex-service-men and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1985, and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1985) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment.
- (xv) up to a maximum of ten years in case of ex-service-men and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1985 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1985) (otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;
- (xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS
PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate—

- (a) must have passed in the first or second division, the Intermediate or an equivalent Examination of a University or Board approved by the Government of India with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

Candidates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

- (b) must have passed in the first or second division the Higher Secondary (12 years) Examination under 10+2 pattern of School Education with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination, or

- (c) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural service of the National Council for Rural Higher Education or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary examination or the pre-University or equivalent examination in the first or second Division.

Candidates who have passed the first/second year Examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply provided the first/second year examination is conducted by a University; or

- (d) must have passed in the first or second division the Pre-Engineering Examination of a University; approved by the Government of India; or

- (e) must have passed in the first or second division the Pre-Professional/Pre-Technological Examination of any Indian University or a recognised Board, with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the Examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage; or

- (f) must have passed the first year examination under the five-year Engineering Degree Course of a University : provided that before joining the Degree Course, he passed the Higher Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first year Examination is conducted by a university; or

- (g) must have passed in the first or second division the Pre-Degree Examination of the Universities of Kerala and Calicut with Mathematics, and at least one of the subjects Physics and Chemistry as Subjects of the examination.

NOTE I.—Candidates who are not awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

NOTE II.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 16th August, 1985.

NOTE III.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination

NOTE IV.—Candidates who held Diploma in Engineering awarded by the State Boards of Technical Education are not eligible for admission to the Special Class Railway Apprentices' Examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or

- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) If he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion, shall be summoned by them for the Personality Test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for the Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for the Personality Test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in

that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services, irrespective of their rank in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Railway Service.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination, are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Sundays and closed holidays except second Saturdays). For this purpose, the successful candidates will be required to present themselves before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examinations or in its venue would ordinarily be acceded to.

The candidates should note that no request for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstance.

The candidates may also please note :

- (i) a sum of Rs 16 (Rupees sixteen only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and
- (iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given, in Appendix II to these Rules. For the disabled ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service.

17. No person—

- (a) who entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

18. Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix IV.

A. JOHRI
Secy. Railway Board

APPENDIX I

(See Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plan.

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 marks in the subjects as shown below.

Part II—Personality Test carrying a maximum of 200 marks (Vide Rule 12)

2. The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows:

Sl. No.	Subject	Code No.	Time Allowed	Maximum Mark
1.	English	01	2 Hours	100
2	General Knowledge	02	2 Hours	100
3.	Physics	03	2 Hours	100
4.	Chemistry	04	2 Hours	100
5.	Mathematics I (Algebra, Elementary Mensuration, Trigonometry & Analytic Geometry)	05	2 Hours	100
6.	Mathematics II (Calculus - Differential and Integral and Mechanics (Statics and Dynamics))	06	2 Hours	100
7.	Psychological Test	07	1 Hour	100
Total				700

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL APPENDED TO COMMISSION'S NOTICE (ANNEXURE II).

4. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY QUESTIONS INVOLVING THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES ONLY WILL BE SET.

5. Question papers will be approximately of the Intermediate standard.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

8. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

9. The candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

SCHEDULE

ENGLISH (Code No. 01)—The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language.

GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

The paper aims at testing a candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. The standard of answers to questions should be as expected of students of Standard 12 or equivalent.

Man and his environment

Evolution of life, plants and animals, heredity and environment—Genetics, cells, chromosomes, genes.

Knowledge of the human body—nutrition, balanced diet, substitute foods. Public health and sanitation including control of epidemics and common diseases. Environmental pollution and its control. Food adulteration, proper storage and preservation of food grains and finished products. Population explosion, population control. Production of food and raw materials. Breeding of animals and plant, artificial insemination, manures and fertilisers, crop protection measures, high yielding varieties and green revolution, main cereal and cash crops of India.

Solar system and the earth. Seasons. Climate. Weather. Soil—its formation, erosion. Forest and their uses. Natural calamities (cyclones, floods, earthquakes, volcanic eruptions), Mountains and rivers and their role in irrigation in India. Distribution of natural resources and industries in India. Exploration of under-ground minerals including oil-conservation of natural resources with particular reference to the flora and fauna of India.

History, Politics and Society in India

Vedic, Mahavir, Buddha, Mauryan, Sunga, Andhra, Kushan, Gupta ages (Mauryan Pillars, Stupa Caves; Sanchi, Mathura and Gandharva Schools; Temple architecture; Ajanta and Ellora). The rise of new social forces with the coming of Islam, and establishment of broader contacts.

Transition from feudalism to capitalism. Opening of European contacts. Establishment of British rule in India. Rise of nationalism and national struggle for freedom culminating in Independence.

Constitution of India and its characteristic features—Democracy, Secularism, Socialism, equality of opportunity and Parliamentary form of government. Major political ideologies—democracy, socialism, communism and Gandhian idea of non-violence. Indian political parties, pressure groups, public opinion and the press, electoral system.

India's foreign policy and non-alignment—arms race, balance of power. World organisations—political, social, economic and cultural. Important events (including sports and cultural activities) in India and abroad during the past two years.

Board features of Indian social system : the caste system hierarchy recent changes and trends. Minority social institutions—marriage, family, religion and acculturation.

Division of labour, co-operation, conflict and competition, social control-reward and punishment, art, law, customs, propaganda, public opinion; agencies of social control—family, religion, state, educational institutions; factors of social change—economic, technological, demographic, cultural; the concept of revolution.

Social disorganisation in India—Castelism, communalism, corruption in public life, youth unrest, beggary, drugs, delinquency and crime, poverty and unemployment.

Social planning and welfare in India community development and labour welfare; welfare of Scheduled Castes and backward classes.

Money taxation, price demographic trends, national income, economic growth; Private and Public Sectors; economic and non-economic factors in planning, balanced versus imbalanced growth, agricultural versus industrial development; inflation and price stabilisation problems of resource mobilisation, India's Five Year Plans.

PHYSICS (Code No. 03)

Length measurements using vernier, screw gauge, spherometer and optical level

Measurement of time and mass.

Straightline motion and relationships among displacement, velocity and acceleration.

Newton's laws of motion. Momentum, impulse. work, energy and power.

Coefficient of friction.

Equilibrium of bodies under action of forces. Moment of a force; couple. Newton's law of gravitation. Escape velocity. Acceleration due to gravity.

Mass and Weight. Centre of gravity. Uniform circular motion. Centripetal force; Simple Harmonic motion. Simple pendulum.

Pressure in a fluid and its variation with depth. Pascal's law. Principle of Archimedes. Floating bodies. Atmospheric pressure and its measurement.

Temperature and its measurement. Thermal expansion. Gas laws and absolute temperature. Specific heat, latent heat and their measurement. Specific heats of gases. Mechanical equivalent of heat. Internal energy and First law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic changes. Transmission of heat; thermal conductivity.

Wave motion. Longitudinal and transverse waves. Progressive and stationary waves. Velocity of sound in a gas and its dependence on various factors. Resonance phenomena (air columns and strings).

Reflection and refraction of light. Image formation by curved mirrors and lenses. Microscopes and telescopes. Defects of vision.

Prisms, deviation and dispersion. Minimum deviation. Visible spectrum.

Field due to a bar magnet. Magnetic moment. Elements of Earth's magnetic field. Magnetometers. Dia, para and ferromagnetism.

Electric charge, electric field and potential; Coulomb's law.

Electric current; electric cells, e.m.f. resistance; Ammeters and voltmeters; Ohm's Law; resistances in series and parallel, specific resistance and conductivity. Heating effect of current.

Wheatstone's bridge. Potentiometer.

Magnetic effect of current; straight wire coil and solenoid electromagnetic; electric bell.

Force on a current-carrying conductor in magnetic field; moving coil galvanometer; conversion to ammeter or voltmeter.

Chemical effects of current; Primary and storage cells and their functioning. Laws of electrolysis.

Electromagnetic induction; simple A.C. and D.C. generators. Transformers; Induction coil.

Cathode rays, discovery of the electron; Bohr model of the atom. Diode and its use as a rectifier.

Production, properties and uses of X-rays.

Radioactivity; Alpha, Beta and Gamma rays.

Nuclear energy, fission and fusion; conversion of mass into energy, chain reaction.

CHEMISTRY (Code No. 04)

Physical Chemistry

- Atomic structure; Earlier models in brief. Atom as a three dimensional model. Orbital concept. Quantum numbers and their significance, only elementary treatment. Pauli's Exclusion Principle. Electronic configuration. Aufbau Principle, s, p, d and f block elements.

Periodic classification only long form. Periodicity and electronic configuration. Atomic radii, Electro-negativity in periods and groups.

2. Chemical Bonding. Electro-valent covalent. Coordinate covalent bonds, Bond Properties and bonds, Shapes of simple molecules like water, hydrogen sulphide methane and ammonium chloride. Molecular association and hydrogen bonding.

3. Energy changes in a chemical reaction : Exothermic and Endothermic Reactions Application of First Law of Thermodynamics. Hess's Law of constant heat summation.

4. Chemical Equilibria and rates of reactions. Law of Mass action. Effect of Pressure, Temperature and concentration on the rates of reaction. (Qualitative treatment based on Le Chatelier's Principle). Molecularity. First and Second order reaction. Concept of Energy of activation. Application to manufacture of Ammonia and Sulphur trioxide.

5. Solutions : True solutions, colloidal solutions and suspensions. Colligative properties of dilute solutions and determination of Molecular weights of dissolved substances. Elevation of boiling points. Depression of freezing point, osmotic Pressure. Raoult's law (Non-thermodynamic treatment only).

6. Electro-Chemistry: Solution of Electrolytes. Faraday's Laws of Electrolysis Ionic equilibria, Solubility Product.

Strong and weak electrolytes. Acids and Bases (Lewis and Bronsteads concept). P.H. and Buffer solutions.

7. Oxidation—Reduction; Modern electronic concept and oxidation number.

8. Natural and Artificial Radioactivity: Nuclear Fission and Fusion. Uses of Radioactive isotopes.

Inorganic Chemistry

Brief treatment of Elements and their industrially important compounds:

1. Hydrogen : Position in the periodic table. Isotopes of hydrogen. Electronegative and electropositive character Water, hard and soft water, use of water in industries. Heavy water and its uses.

2. Group I Elements. Manufacture of sodium hydroxide, sodium carbonate, sodium bicarbonate and sodium chloride

3. Group II Elements. Quick and slaked lime. Gypsum Plaster of Paris. Magnesium sulphate and Magnesia.

4. Group III Elements Borax, Alumina and Alum

5. Group IV Elements. (Coal, Coke and solid Fuels, silicates, Zolitis semi-conductors). Glass (Elementary treatment)

6. Group V Elements. Manufacture of ammonia and nitric acid Rock phosphates and safety matches.

7. Group VI Elements. Hydrogen peroxide, allotropy of sulphur, sulphuric acid Oxides of Sulphur.

8. Group VII Elements. Manufacture and uses of Fluorine chlorine. Bromine and Iodine. Hydrochloric acid. Bleaching powder.

9. Group O. (Noble gases) Helium and its uses.

10. Metallurgical Processes : General methods of extraction of metals with specific reference to copper, iron, aluminium silver, gold, zinc and lead. Common alloys of these metals Nickel and manganese steels.

Organic Chemistry

1. Tetrahedral nature of carbon. Hybridisation and σ bonds and their relative strength. Single and multiple bonds. Shapes of molecules. Geometrical and optical isomerism.

2. General methods of preparation properties and reactions of alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum and its refining—Its use as fuel.

Aromatic hydrocarbons : Resonance and aromaticity. Benzene and Naphthalene and their analogues Aromatic substitution reactions.

3. Halogen derivatives : Chloroform, Carbon Tetrachloride Chlorobenzene D.D.T. and Gammexane

4. Hydroxy Compounds : Preparation, properties and uses of Primary, Secondary and Tertiary alcohols Methanol, Ethanol Glycerol and Phenol. Substitution reactions at aliphatic carbon atom

5. Ethers : Diethyl ether.

6. Aldehydes and Ketones : Formaldehyde, Acetaldehyde Benhaldehyde, acetone, acetophenone

7. Nitro compounds amines : Nitrobenzene, TNT, Aniline Diazonium Compounds. Azodyes.

8. Carboxylic acid : Formic, acetic, benzoic and salicylic acids acetyl salicylic acid

9. Esters : Ethylacetate, Methyle salicylates, ethyl benzoate.

10. Polymers : Polythene, Teijlon, Perspex, Artificial Rubber, Nylon and polyester fibres

11. Nonstructural treatment of Carbohydrates. Fats and liquids amino acids and proteins—Vitamins and hormones.

MATHEMATICS I (Code No. 05)

Algebra

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rationals and Irrationals and their elementary properties.

Elementary Number Theory—Division algorithm Prime and Composite numbers. Multiples and factors, Factorization Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean Algorithm.

Logarithms and their use.

Basic Operations. Simple factors H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solution of quadratic equations, relations between its roots and coefficients. Division algorithm

Laws of Indices, A.P. and G.P. Geometric series and its application—to recurring decimal fractions.

Permutation and Combinations. Binomial Theorems for positive integral index. Applications of Binomial Theorem for rational indices to approximations.

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their solutions. Fitting of a quadratic curve $y=a+bx+cx^2$ for given values of y at x^1 , x^2 and x^3 .

Simultaneous linear inequations (in two unknowns) and their graphs. 2×2 Matrices and elementary operations. Identity matrix. Inverse of a matrix. Determinants of order not exceeding 3.

Elementary Mensuration

Area of plane figures. Volumes and surfaces of cubes, pyramids right circular cylinders; cones and spheres.

(Practical problems involving the above topics will be asked and appropriate formulae supplied, if necessary.)

Trigonometry

Angles and their measures in degrees and radians. Trigonometrical ratios.

Addition formulae. Sine, Cosine and tangent of multiples and sub-multiples of angles. Periodicity and graphs of sine, cosine, and tangent. Solution of simple Trigonometric equations.

Simple cases of heights and distances.

Analytic Geometry

Equation of a line in a plane. General equation of first degree Angle between two lines, Parallel and perpendicular lines.

Cartesian equation of a pair of straight lines.

Equation of a circle. General equation. Equation of tangent and normal to a circle. Radical axis of two circles, Family of circles.

Standard equations of parabola, ellipse and hyperbola. Equations of tangent and normals at a point on the curve.

(Candidates may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission.)

MATHEMATICS II (Code No. 06).**Calculus (Differential and Integral)**

Real functions through examples, their graphs. Composite and inverse functions. Algebra of real functions. Examples of rational and trigonometric functions and step function.

The notions of limit and continuity of a function and of sum difference, product and quotient of functions.

Derivative of a function at a point. Derivative as instantaneous rate of change and as slope of a curve.

Derivative of sum difference, product and quotient of functions. Derivatives of composite functions and of inverse of 1—1 functions. Derivatives of polynomial functions, rational functions, irrational functions, trigonometric functions and inverse trigonometric functions.

Primitives of functions and indefinite integrals.

Calculation of primitives in simple cases—integration by (single) substitution and by parts.

Mechanics (Vector methods would be permissible)

Statics : Representation of a force, parallelogram of forces. Compositions and resolution of forces. Like and unlike parallel forces. Moments, couples. Conditions of equilibrium—Concurrent forces and coplanar forces (not exceeding 4).

Triangle of forces.

Centre of gravity of simple bodies.

Work and power. Simple machines (lever, system of pulleys, gear).

Dynamics : Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle. Motion in a straight line under constant acceleration. Simple problems on projectiles. Motion of two masses connected by a string. Conservation of energy.

(Candidate may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission.)

PSYCHOLOGICAL TEST (Code No. 07)

The questions will be designed to assess the basic intelligence and mechanical aptitude of the candidates.

PERSONALITY TEST

Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest. Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, fact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

APPENDIX II**REGULATIONS FOR THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS**

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examinations. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1 To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment

2 (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigation and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board

(b) However, the minimum standards for height and chest girth, without which candidates cannot be accepted, are as follows :

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Male candidates	152 Cm	84 Cm.	5 Cm
Female candidates	150 Cm.	79 Cm	5 Cm

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gurkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc whose average height is distinctly lower

3 The candidate's height will be measured as follows —

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other parts of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves

4 The candidate's chest will be measured as follows —

He will be made to stand erect, with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, thus 84—89, 86—93, etc. In recording the measurements fractions of less than $\frac{1}{2}$ centimetre should not be noted

N.B. The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision

5 The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms, fraction of half a kilogram should not be noted

6 The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded

(i) *General* — The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render him or are likely at a future date to render him unfit for service

(ii) *Visual Acuity* — The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye

The candidate will be examined with the apparatus and according to the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision

N.B. — No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below —

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows —

	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye
For candidates below 35 years of age	6/6 or 6/9	6/12 or 6/9	J-I	J-II

NOTE (1)

(a) Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed — 400D

(b) Total Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +400D

(c) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

Colour Vision :

The testing of colour vision is compulsory and the result should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16'	16'
2. Size of the aperture	1.3 mm	13 mm
3. Time of exposure	5 Seconds	5 Seconds

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices.

NOTE : (3)

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE : (4)

Night Blindness :

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE : (5)

Ocular conditions other than visual acuity :

(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Squint.*—The presence of binocular vision is essential. Squint even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.

(c) *One eyed person.*—One eyed persons will not be eligible for appointment.

NOTE : (6)

Contact Lenses :

During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE : (7)

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidates for special reasons.

7. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

*N.B.—*As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure :

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear

sound change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds Sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of the diabetes; if except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialists will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed —

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case the hearing is defective, the candidate should be got examined by an Ear Specialist, provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation *but without the use of Hearing Aid*, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard :—

(i) Marked or total deafness in one ear other ear being special Class Apprentices normal

- | | |
|--|--|
| (ii) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid | Unfit for appointment as Special Class Apprentices |
| (iii) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. | Any unhealed perforation of eardrum would disqualify but evidence of healed lesion would not be a cause for disqualification |
| (iv) Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/both sides | Unfit for appointment as Special Class Apprentices |
| (v) Persistently discharging ear-operated/unoperated | Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs. |
| (vi) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. | (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit. |
| (vii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx | (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit

(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily less unfit |
| (viii) Benign or locally malignant tumours of the F.N.T. | (i) Benign tumours—Temporarily unfit.

(ii) Malignant tumours—Unfit. |
| (ix) Otosclerosis | Unfit for appointment as Special Class Apprentices. |
| (x) Congenital defects of ear, nose or throat. | (i) If not interfering with functions—Fit.

(ii) Stuttering of severe degree—Unfit |
| (xi) Nasal Poly | Temporarily unfit |
| (b) that his/her speech is without impediment; | |
| (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound) | |
| (d) that the chest is well formed and his/her chest expansion sufficient and that his/her heart and lungs are sound | |

- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he|she is not raptured;
- (g) that he|she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
- (h) that his|her limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his|her joints;
- (i) that he|she does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he|she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he|she bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he|she is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board and their report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

2. No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfittine him, or likely to unfit him for tha' service.

3. It should be understood that the question of fitness involves the future, as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous

effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

4. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

5. The report of the Medical Board should be treated as confidential

6. In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated by the appointing authority to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

7. In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Boards opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

(A) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to the Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention should be specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)

.....
.....
.....
.....
.....

2. State your age and birth place

.....
.....
.....

3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Naga-land Tribes etc. whose average height is distinctly lower ? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.

4. (a) Have you ever had small pox, Intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, Spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks rheumatism appendicitis ?

OR

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment.

5. When were you last vaccinated ?

.....
.....

6. Have you or any of your near relations been afflicted with consumption seroful gout, asthma, fits, epilepsy or insanity ?

.....

7. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause ?
.....

8. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
.....

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
.....

9. Have you been examined by a Medical Board before?
.....

10. If answer to the above is yes, please state what service|services you were examined for ?
.....

11. Who was the examining authority?
.....

12. When and where was the Medical Board held ?
.....

13. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.
.....

I declare all the above answers to be to the best my belief, true and correct.

Candidates signature.....

Signed in my presence.....

Signature of Chairman of the Board

Signed in my presence.....

NOTE : The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(B) Report of the Medical Board on (name of candidate) physical examination.

1. General Development :	Good
	Fair
Nutrition :	Thin
	average
Height (without shoes)	obese
weight	Best Weight
When ?	Any recent change
in weight ?
Temperature
.....
Girth of Chest :—

(1) After full inspiration

(2) After full expiration

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual Acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked with eye glasses	Strength of glasses		
		Sph.	Cyl.	Axix
Distant vision	R.E. L.E.	—	—	—
Near vision	R.E. L.E.	—	—	—
Hypermetropia (Manifest)	R.E. L.E.	—	—	—

4. Ears : Inspection Hearing
Right Ear Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal any thing abnormal in the respiratory organs.
.....

If yes, explain fully

8. Circulatory System :

(a) Heart : any organic lesions
Rate : Standing

After hopping 25 times

2 minutes after hopping

Blood pressure :

Diastolic : Systolic :

9. Abdomen Girth	Tenderness	Hernia
(a) Palpable : Liver	Spleen	Kidneys
Spleen		
Tumours		
(b) Haemorrhoids	Fistula	
10. Nervous System .	Indications of nervous or mental disabilities.	
11. Loco Motor System : Any Abnormality	
12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.		

Urine Analysis :

- (a) Physical appearance
- (b) Sp. Gr.
- (c) Albumen
- (d) Sugar
- (e) Casts
- (f) Cells

13 Report of X-ray examination of Chest.

14. Is there any thing in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service or which he is a candidate,

NOTE —In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over she should be declared temporarily unfit. *vide* regulation 9.

15. For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.

Date

Place

President

Member

APPENDIX III***Conditions of Apprenticeship for Special Class Apprentices Selected through the Examination***

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway Establishment Manual, brief particulars of which are given below :—

1. A candidate offered appointment as a Special Class Railway Apprentice shall execute an agreement in the prescribed form binding himself and one surety jointly and

severally, to refund, in the event of his failing to complete training as a Special Class Railway Apprentice or to accept the service as an officer on probation in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, if offered to him, to the satisfaction of the Government, any moneys paid to him and any other moneys expended by Government on him, the Government being the exclusive judge of the quantum of such expense.

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them, to serve on the Indian Railways on the completion of their training. If their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from the authorities under whom the apprentices may be working. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharged from the apprenticeship.

NOTE —The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training.

2. The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts 1 and 2 of the council of Engineering Institutions Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examination. The apprentices will be granted a stipend of Rs. 350 per mensem during the 1st and 2nd years and Rs. 400 per mensem during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship, the candidates will be required to undergo both theoretical and practical training. There will be in all six Semester Examinations passing each of which is compulsory. If unsuccessful at any of these examinations they will depending on their performance, be asked to sit for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

NOTE :—Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, intemperance or other misconduct or breach of agreement, a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

NOTE :—An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 percent marks in the aggregate in all the examinations held during the six Semester Examinations of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways Institute of Mechanical and Electrical Engineers, Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, provided that in each of the six Semester Examinations he has obtained a

minimum of 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent marks in any one subject.

4. Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the intimation that the apprentice has been unsuccessful.

5. After successful completion of 4 years apprenticeship, the apprentices will be appointed as probationers in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers subject to the proviso below para 1 in Appendix IV. Particulars as to pay and general conditions of service for officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers have been given in Appendix IV.

APPENDIX IV

Particulars Regarding the Indian Railway Service of Mechanical Engineers

1. The period of probation will be three years. The appointment and pay as probationers will commence from (a) the date of completion of 4 years of the apprenticeship or (b) the actual date of completion of training whichever is later :

" Provided however that those Special Class Apprentices who could not pass Parts I & II of AMIME (London) | Parts A & B of AMIE (India) Examination within 4 years of their apprenticeship will be deemed to have been appointed as probationers only from the date when they pass in full either of these examinations.

NOTE.—(i) The retention in service of probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation.

(ii) The services of a probationers may be terminated on three months notice on either side.

2. During the 1st and 2nd years of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the Syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours, a technical college or special lectures on Engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent.

3. During the probationary period they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case

the officers will not be confirmed till they pass the test their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of the second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting and Estimating, General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act, ability to handle labour and general application to work or works on which each officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examination within the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will, in any case, involve stoppage of increments. In case where the probationary period has to be extended for failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after the expiry of extended period of probation the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and Orders in force from time to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to justify such relaxation being made.

NOTE.—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

4. Probationers should have already passed or should pass during the period of probation, an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the "PRAVEEN" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi, or one of the equivalent Examination recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780.00 per month unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

5. Any person appointed to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such a person

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationers;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

6. Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers :—

— (a) will be eligible to pensionary benefits, and

(b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that fund;

as applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

7. Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph 3 above. Particulars as to pay are contained in paragraph 10 of this Appendix.

8. Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officers of Indian Railways.

9. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim, as a matter of right to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

10. The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

Junior scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—
1,300].

Senior scale : Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.
Junior Administrative Grade : (Rs. 1,500—60—1,800—
100—2,000].

Senior Administrative Grade : (i) 2,250—125[2—2,500,
(ii) Rs. 2,500—125[2—2,750].

Note 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior scale and will count their service for increment from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740.00 p.m. to Rs. 780.00 p.m. in the time scale.

Note 2.—Increment from Rs. 740.00 to Rs. 780.00 will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage, in the time scale, which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

11. The increments will be given for approved service only and in accordance with the rules of the Department.

12. Promotion to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claim for such promotion.

